हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 5 अगस्त 2024

तापमान
अधिकतम 27.4 डिग्री
न्यूनतम 19.4 डिग्री

10 गयाबाई प्राथमिक स्कूल में कराया गया न्यौता भोज

11 लोगों के जीवन में उमंग लाता है हरेली त्योहार

इंटकवेल के ट्रांसफार्मर में फाल्ट, पानी सप्लाई में होगी देरी, पानी से घिरे 33 केवीए ट्रांसफार्मर में करंट लिकेज का खतरा, श्रमिक बस्तियों में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बारिश की वजह से ट्रांसफार्मरों में फाल्ट आने लगा है। शिवनाथ इंटेकवेल के ट्रांसफार्मर में फॉल्ट आने के कारण स्टैंड बाई ट्रांसफार्मर से 3 मोटर चल रहे है। पहले चार मोटर चल रहे थे। एक मोटर कम चलने के कारण पानी की पूर्ति धीरे-धीरे हो रही है। जिसके कारण निगम के सभी क्षेत्रों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। वहीं 33/11 केवीए का आईआईटी भिलाई में लगे ट्रांसफार्मर पानी से घिर गए हैं। जिससे लिकेज करंट का खतरा बना हुआ है। इधर लगातार बारिश से निचली बस्तियों में पानी भर गया है। नगरनिगम भिलाई प्रशासन बेबस है और लोगों को जूझना पड़ रहा है।

शिवनाथ इंटकवेल में भिलाई निगम के दो ट्रांसफार्मर

शिवनाथ इंटकवेल में भिलाई निगम के दो ट्रांसफार्मर लगे हैं। इससे पानी की सप्लाई भिलाई स्थित जलशोधन संयंत्र में आता है। एक में खराबी आने के कारण दूसरे पर लोड है। इसलिए तीन ही मोटर चल पा रहे हैं। जिसके कारण निगम क्षेत्र में जलप्रदाय देरी से होगी। बारिश के कारण ट्रांसफार्मर मॉइश्चराइजर आ गया है। इसलिए बनाने में परेशानी हो रही है। जब तक तीन मोटर से सप्लाई होगा पानी की सप्लाई विलंब से होगी। निगम ट्रांसफार्मर में आई मॉइश्चराइजर को ठीक करने की कोशिश में है।

पानी से घिरा 33/11 केवीए स्टेशन

33/11केव्ही. उपकेन्द्र आईटीआई भिलाई जो कि अति आवश्यक संवेदनशील एवं संरक्षित क्षेत्र होने के कारण बिना अनुमति के अंदर प्रवेश सख्त वर्जित निषेध है। बारिश के इस मौसम में यार्ड के अंदर पानी भर गया है। यहां कीमती ट्रांसफार्मर एवं बिजली के उपकरण, मशीनें लगी हुई है जो कि चालू हालत में हैं। बारिश में लीकेज करेंट का खतरा है। कभी भी लाइन से संबंधित कार्य करने कर्मचारी को अन्दर प्रवेश करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों की जान खतरे में पड़ सकता है।

श्रमिक बस्तियां जलमग्न, निगम प्रशासन की टीम फेल

भिलाई निगम क्षेत्र की श्रमिक बस्तियों में लगातार बारिश की वजह से पानी भर गया है। लोगों को जिसकी वजह से दिक्कतें उठानी पड़ रही है। निगम प्रशासन इन बस्तियों का पानी डायवर्ट करने में फेल है। मॉडल टाउन, कोसानगर यादव मोहल्ला, स्मृति नगर,खम्हरिया, जुनवानी, चंद्रनगर कोहका, पुरानी बस्ती कोहका, कृष्णानगर, फरीदनगर, राधिका नगर, मिलन चौक, शर्मा कॉलोनी, संतोषी पारा, कैंप क्षेत्र, खुर्सीपार, छावनी और रामनगर क्षेत्र में पानी भरने क वजह से लोगों को जूझना पड़ रहा है। निगम प्रशासन इन बस्तियों में पानी को रोकने में फेलवर साबित हुई है। नालियां जाम हो गई है जिससे बारिश का पानी ओवर फ्लो होकर गंदे पानी के साथ लोगों के घरों में घुस रहा है।

संक्रामक बीमारी का खतरा बढ़ा

भिलाई निगम क्षेत्र के पटरीपार इलाके में अब संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। पिछले 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। यह भी बारिश कभी तेज तो कभी धीमी गति से पूरे दिन और रात चल रही है। जिसकी वजह से श्रमिक बस्तियों में साफ- सफाई व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। कीचड़ और नालियों का पानी बारिश के पान के साथ मिलकर लोगों के घरों और उसके आसपास जमा है। इससे संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा है।

आज भी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबिक भिलाई दुर्ग सहित प्रदेश में 5 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक गहरा अवदाब उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश और उससे लगे दक्षिण उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित है।

खबर संक्षेप

पति-पत्नी के साथ मारपीट, जुर्म दर्ज

भिलाई। घर में घुसकर महिला के साथ चाकू की नोक पर छेड़खानी कर पति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने धारा 331(2), 74, 351 (2), 115 (2), 3(5),25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि बाम्बे आवास जवाहर नगर निवासी मेनका ने शिकायत दर्ज कराया है कि मोहल्ले के सूरज वर्मा एवं बाबी सरदार दोनों में मिलकर 1 अगस्त को पीड़िता के घर में प्रवेश किया। जबरन घुसकर शादी करने का दबाव बना रहे थे। इस दौरान आरोपियो ने हाथ में चाकू रख उसे डरा धमका रहे थे। उसके बाद पति से भी मारपीट कर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने पीड़िता के घर की आलमारी को भी क्षतिग्रस्त किया है। घटना की सूचना डायल 112 पर के पहुचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।

केसरी नंदन मंदिर में रूद्राभिषेक आज

भिलाई। केसरी नंदन हनुमान मंदिर मिनाक्षी नगर दुर्ग में सोमवार 5 अगस्त को दोपहर 12 बजे रूद्राभिषेक होगा। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ दुर्ग जिला द्वारा आयोजित इस शिवाभिषेक में भक्तजन शामिल होंगे। महासंघ के अध्यक्ष बीके वर्मा व सदस्य बीके शर्मा ने बताया कि जिन्हें भोग प्रसाद चढ़ा हो वे अपने साथ भोग लेकर आ सकते है। अभिषेक में सपत्निक शामिल होना जरूरी है।

शिविर में समस्याओं का हुआ निराकरण

भिलाई। नगर निगम भिलाई के सभी क्षेत्रों में जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए , जन समस्या निवारण शिविर विभिन्न वार्डों में लगाई जा रही है जिसमें जनता के मूलभूत समस्याओं का समाधान त्वरित किया जा रहा है। प्रमुख रूप से नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, पानी की समस्या, लाइट, सफाई की समस्या, जल भरा होने पर जल निकासी की समस्या, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्व निधि योजना इत्यादि । सभी प्रकार की समस्याओं को लेकर नागरिक आ सकते हैं। नगर निगम का अधिकारी कर्मचारी आवश्यकता अनुसार त्वरित निराकरण करेंगे। विधायक रिकेश सेन, देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिकों से अपील की है कि अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ उठाएं। यह शिविर आपके वार्ड में लगाया जा रहा है। सुबह 10 बजे से लेकर 3 बजे तक सभी अधिकारी उपस्थित रहेंगे। निगम के सभी वार्डों में लगाया जा रहा है शिविर।

आरटीई घालमेल : 802 बच्चों को दिया गया है स्कूल, जांच नहीं होने से गड़बड़ी

आरटीई के दूसरे चरण की लॉटरी में भी गड़बड़ी, एक बच्चे को दिया दो-दो स्कूल

देवीलाल साहू ⏭ भिलाई

हरिभूमि खुलासा

आरटीई के दूसरे चरण में भी बच्चों की लाटरी में गड़बड़ी सामने आई है। एक बच्चे को दो-दो स्कूल दे दिया गया है। पहले चरण में हुई लॉटरी में भी इसी तरह एक बच्चे को तीन-तीन स्कूल आबंटित कर दिया गया था। मामले का खुलासा होने के बाद इस पर जांच की गई और फर्जीवाड़ा सामने आया। इसी तरह की स्थिति दूसरे चरण की लाटरी में आ गई है। एक तरफ वास्तविक गरीब बच्चों को आरटीई में एडमिशन नहीं मिल रहा है वहीं दूसरी तरफ फर्जी दस्तावेजों के माध्यम में एडमिशन लेना थमा नहीं है। जिला शिक्षा विभाग के नोडल ऐसे मामले को पकड़ नहीं पा रहे हैं और यहां से पोर्टल में दस्तावेजों का सत्यापन कर भेज रहे हैं। जिला शिक्षा विभाग इतने बड़े फर्जीवाड़ा होने के बाद नोडलों की चूक व गलती को छिपाकर अपने अधिकारियों को बचाने में लगे हुए हैं।

दूसरे चरण में इस तरह गड़बड़ी

केस 1

आरटीई क्रमांक 201400601741 व क्रमांक 674638 एक ही बच्चे का आवेदन है। इस बच्चे को लाटरी के माध्यम से केपीएस नेहरूनगर और आइडल इंटरनेशनल स्कूल दुर्ग आबंटित किया गया है।

केस 2

आरटीई क्रमांक 202400593374 और क्रमांक 703328 एक ही बच्चे का आवेदन है। इस बच्चे को दो स्कूल दिया गया है। जिसमें पहला स्कूल डीएवी इस्पात सेक्टर 2 और अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल आबंटित हुआ है।

केस 3

आरटीई क्रमांक 202400674699 और क्रमांक 715941 और 15948 एक ही बच्चे का आवेदन है। इस बच्चे को लाटरी में दो स्कूल दिया गया है। जिसमें पहल स्कूल डीपीएस दुर्ग और दूसरा स्कूल मॉडल स्टोन एकेडमी है।

नोट- ये उदाहरण मात्र हैं। पोर्टल में बारिकी से जांच की जाएं तो इसी तरह के और कई मामले उजागर होंगे।

नोडलों के सत्यापन के बाद पोर्टल ने निकाली लाटरी

आरटीई में एडमिशन के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने पोर्टल बनवाया है। इस पोर्टल के माध्यम से बच्चों के आवेदनों के आधार पर लाटरी निकालकर स्कूल आबंटित हो रहे हैं। पोर्टल पर अपलोड आवेदनों की मेनुअल दस्तावेज संबंधित नोडलों में जमा की जाती है। इन दस्तावेजों का सत्यापन जिला शिक्षा विभाग के नोडल करते हैं। उसके बाद ही पोर्टल के द्वारा राज्य से लाटरी निकलती है। हैरत की बात यह है कि दस्तावेजों का सत्यापन करने वाले नोडलों को क्लीन चिट दी जा रही है।

पोर्टल में फर्जीवाड़ा पकड़ने का सिस्टम नहीं

पहले चरण में फर्जीवाड़ा होने के बाद भी राज्य से पोर्टल में ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि एक बच्चे के नाम से आने वाले एक से अधिक आवेदनों का परीक्षण करें। जितने भी आवेदन किए गए हैं उसमें बच्चे का नाम और पिता का नाम में कोई बदलाव नहीं है। केवल अलग-अलग पते नोडलों में डालकर आवेदन कर रहे हैं। पोर्टल में ऐसा सिस्टम होना जरूरी है कि एक से ज्यादा आवेदन हो तो उस बच्चे की पूरी जानकारी मिल जाए।

हरिभूमि लगातार

आरटीई में फर्जीवाड़ा : दस्तावेज जांच में ऐसी लापरवाही से वास्तविक गरीब बच्चों को नहीं मिल पते बड़े स्कूल
आधार कार्ड व पते फर्जी, फिर भी तीन स्कूल आवंटित

आरटीई फर्जीवाड़ा में एक और नया खुलासा
पहले फर्जीवाड़ा मामले में दोषी दोनों पालकों पर एफआईआर
आठ बच्चों के दो-दो आवेदनों को एक ही नोडल ने किया सत्यापित

आरटीई में एक और बड़ी गड़बड़ी : जांच के दायरे में 140 बच्चों के दस्तावेज
सर्वे सूची के आधार पर अपात्र बच्चों का दाखिला, किरायानामा का भी बड़ा खेल

विडंबना : 528 स्कूलों में 3462 विद्यार्थियों का पहले लाटरी में हुआ है चयन
आरटीई में फर्जीवाड़ा की जांच शुरु जिले के स्कूलों में एडमिशन पर रोक

पहले चरण के 580 बच्चों ने नहीं लिया एडमिशन

दुर्ग जिले में आरटीई के तहत 4264 सीटें हैं। पहले चरण की लाटरी में 3462 बच्चों को स्कूल दिया गया था। इनमें से 2882 बच्चों ने एडमिशन लिया है। 580 बच्चे ऐसे हैं जिन्होने स्कूलों में एडमिशन ही नहीं लिया। एडमिशन नहीं लेने की तीन वजह मानी जा रही है।

पहली वजह

140 सीटें खाली चली गई

आरटीई के पहले चरण में दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद 140 बच्चों के चयन को जिला शिक्षा विभाग ने निरस्त कर दिया। इसलिए इतनी सीटें खाली चली गई।

दूसरी वजह

फर्जी दस्तावेज वाले प्रवेश नहीं लिए

आरटीई में फर्जी दस्तावेज व गलत पते के माध्यम से एडमिशन लेने की कोशिश करने वाले जिला प्रशासन द्वारा एफआईआर करवाने के बाद पीछे हट गए। खुद को बचाने के लिए पालक अपने बच्चों को एडमिशन करवाने नहीं पहुंचे।

तीसरी वजह

अच्छे स्कूल नहीं मिले

आरटीई में स्कूल आबंटित हुआ था वह नामी या अच्छे स्कूल नहीं थे। इसलिए पालकों ने अपने बच्चों का स्कूल आबंटन के बाद भी एडमिशन नहीं करवाया। तीन स्कूलों का विकल्प एक बच्चे को दिया गया था।

दूसरे चरण की लॉटरी में 802 बच्चों का चयन

राज्य ने आरटीई पोर्टल के माध्यम से दूसरे चरण की लाटरी में दुर्ग जिले के 802 बच्चों को स्कूल आबंटित किया है। जिले में 4264 सीटें हैं। पहले चरण की लाटरी में 3462 बच्चों को स्कूल आबंटित किया गया था। इस हिसाब से 802 बच्चों की सीटें खाली पोर्टल में दिखा। लेकिन 502 बच्चों ने एडिमशन नहीं लिया है उनकी सीटें भी खाली है। जिसे दूसरे चरण में शामिल नहीं किया गया है।

खेत में मिली खाली तिजोरी

11 लाख चोरी मामले में संदिग्धों से पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नौ दिन पहले हुई शराब दुकान से 11 लाख के चोरी मामले में पुलिस को खेत से तिजोरी को बरामद किया है। तिजोरी को पुलिस जेसीबी की मदद से थाने लाया गया है। उसके बाद तिजोरी को गैस कटर की मदद से खोलने पर वह खाली पड़ा मिला। अज्ञात चोरों ने रुपए को लेकर फरार हो गए है। वहीं चोरी मामले में कुछ संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना का खुलासा जल्द होगा। नयापारा स्थित शराब दुकान में 26 जुलाई को चोरी हुई थी। जिसमें चोरों की सारी करतूत सीसी कैमरे में कैद हुई थी। घटना में चार नकाबपोश दिखाई दे रहे थे। जिसमें तीन युवक शराब दुकान के भीतर और एक युवक बाहर पहरा दे रहा था। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग कोतवाली पुलिस को शनिवार को तिजोरी के बारे पता चला। शराब दुकान से कुछ दूर पर ही खेत पर तिजोरी पड़ा मिला। खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुचे थे। खाली तिजोरी देख अफसर भी हैरान रह गए। धिर चर्चा का विषय बना हुआ है कि बंद तिजोरी से लाखों रुपए कैसे पार हो गया? तिजोरी खाली मिलने के बाद पुलिस का जांच एंगल बदल गया है। घटना में संदेह जताया जा रहा है कि शराब दुकान का कोई कर्मी भी शामिल हो सकता है। दुकान का कोई कर्मी पहले से तिजोरी की चाबी बना लिया होगा। इसके बाद चोर जब उस तिजोरी को लेकर बाहर गए तो उन लोगों ने चाबी की मदद से रुपए निकाले होंगे। चोर ने पुलिस को गुमराह करने के लिए सब्बल से जगह बनाई। तिजोरी में इतनी जगह नहीं थी कि उसमें से पूरे रुपए निकाले जा सके। यह सब जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

- नयापारा शराब दुकान का मामला
- कोतवाली थाना क्षेत्र की है घटना

चोरों की तलाश में है पुलिस

तिजोरी को थाने लाया गया तो उसमें पाया गया कि चोरों ने तिजोरी के दरवाजे को सब्बल की मदद से मोड़ा था। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उस गैप से उन्होंने उसके अंदर रखे रुपए को निकाला था। इसके बाद तिजोरी छोड़कर वहां से फरार हो गए। पुलिस चोरी करने वालों की तलाश में जुटी हुई है।

अभिषेक झा, एएसपी

एक युवक गिरफ्तार, भट्ठी पुलिस और एसीसीयू की कार्रवाई

कार में बैठकर चला रहा था रेड्डी अन्ना पैनल सट्टा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

ऑनलाइन सट्टा महादेव ऐप को लेकर पुलिस ने अभियान चालकर एक युवक को गिरफ्तार किया है। सटोरिया के खिलाफ पुलिस ने धारा 7,8 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर , मकान नं. 26,तिरंगा नगर, दुर्गा मंदिर के पास, न्यू खुर्सीपार निवासी हर्ष कुमार पिता बसंत कुमार कार सीजी 07 सीएम 6044 को विवेकानंद गार्डन सेक्टर 1 पार्किंग में खडा किया था।

मौके पर पहुची पुलिस घेराबंदी कर उसे पकड़ा है। युवक कार के भीतर ऑनलाईन गैंमिग सट्टा रेड्डी अन्ना 128 नंबर पैनल से सट्टा खिला रहा था। पुलिस ने जब मोबाइल चेक करने पर ऑनलाईन गैमिंग सट्टा के 6 लाख 37,330 रूपये का लेनदेन करा हिसाब किताव वाट्सअप ग्रुप में मिला। आरोपी हर्ष कारोबार में 2 मोबाईल फोन, 5 नग विभिन्न बैंक के एटीएम कार्ड, 5 सिम कार्ड, नगदी रकम 104 रूपये और कार स्वीफ्ट डिजायर बरामद किया है। जब्त समानों की कीमत 8 लाख 73 हजार रुपए आंकी गई है।कार्रवाई में भठ्ठी टीआई प्रशांत मिश्रा, एसीसीयू प्रभारी तपेश्वर नेताम समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

मास्टर माइंड अब भी है फरार

महादेव सट्टा ऐप के मास्टर माइंड सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल के खिलाफ जिले के मोहन नगर थाना में अपराध दर्ज किया गया है। लेकिन सालों से दोनों फरार है। इन्हें पकड़ने के लिए विदेश मंत्रालय को पुलिस ने पत्र भी लिखा है। लेकिन अब तक सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल को पुलिस पकड़ से बाहर है। अब दुर्ग जिले में महादेव सट्टा ऐप के कारोबारी बेखौफ तरीके से घूमते नजर आते है। जिले से जॉब के नाम पर सैकड़ों की संख्या में नव जवान युवक दुबई का रुख कर लिया है। महादेव सट्टे में शामिल युवक चुपके से अपने घर पहुचते है लेकिन लोकल पुलिस तक को इसकी जानकारी नहीं हो पाती है।

दो सटोरियों से 54 हजार जब्त

भिलाई। सट्टे का अवैध कारोबार करने वाले दो सटोरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी हरिश पाटिल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर दादर रोड चरोदा में दो लोगों द्वार सट्टापट्टी लिख कर हार जीत का दांव लगाने की जानकारी हुई। मौके पर पुलिस ने दबिश देकर पवन ट्रेडर्स के बाजू दादर रोड चरोदा निवासी प्रफुल प्रधान उर्फ जापानी से 6 नग सट्टापट्टी, नगदी रकम 52 हजार 600 और बाम्बे आवास चरोदा विनोद सिंह से 2 नग सट्टापट्टी, नगदी रकम 2 हजार 330 रुपए बरामद किया है। सटोरिया प्रफुल प्रधान उर्फ जपानी रेलवे क्षेत्र में अर्से से सट्टापट्टी का अवैध कारोबार करता रहा है। कई बार रेलवे पुलिस ने इसके खिलाफ कार्रवाई भी कर चूकी है। इस कार्रवाई में टीआई महेश ध्रुव, प्रधान आरक्षक राजेश साहू, आरक्षक महेश बंछोर का योगदान रहा है।

आरोपियों को पकड़ने वाले दो आरक्षक पुरस्कृत

आवेश

नीतेश

भिलाई। लूट के अपचारी बालकों को पकड़ने में सफलता हासिल करने वाले दो आरक्षकों को एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने नगद पुरस्कृत किया है। जिसमें वैशाली नगर थाना में पदस्थ आरक्षक आवेश सिद्धकीय, नितेश पाण्डेय है। उरला बस्ती वार्ड 58 निवासी रमेश सिसोदिया अपने काम से रात को घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके साथ कुछ लोग उनकी बाइक एमपी 48 एमडब्लू 0479 रोक कर उनके साथ गाली गलौज कर उनके जेब से मोबाइल और नगदी रकम, बाइक को लूट कर फरार हो गए। घटना 31 जुलाई की है। शिकायत दर्ज होने पर वैशाली नगर पुलिस ने आरोपियों को पतसाजी के लिए आरक्षक आवेश सिद्धकीय, नीतेश पाण्डेय को लगा दिया। दोनों आरक्षखों ने घटनास्थल से आसपास में लगे सीसी कैमरों को खंगालने पर कुछ अपचारी बालक दिखाई दे रहे थे। संदेह के आधार पर अपचारी बालकों को पकडा और पूछताछ करने पर रमेश सिसोदिया के साथ लूटपाट करने की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
7987328736, 7489348301

खबर संक्षेप

राज्य पुरस्कार पूर्वाभ्यास शिविर का आयोजन

दुर्ग। जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार पूर्वाभ्यास शिविर का आयोजन शासकीय प्राथमिक शाला करंजा भिलाई में आयोजित किया गया। जिला संगठन आयुक्त गाइड नेहा राजपूत ने बताया कि इस शिविर में शाउमा विद्यालय सेमरिया, लिमतरा, करंजा भिलाई, रुआबांधा, गब्दी, सेजस जामुल एवं सेलूद और दीपशिखा विद्यालय दुर्ग के चयनित स्काउट्स, गाइड्स, रोवर, रेंजर प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस शिविर में स्का गाइडिंग के विभिन्न मापदंडों, स्काउटिंग इतिहास, मूवमेंट, स्काउट नियम, प्रतिज्ञा, मैपिंग, रस्सी की विभिन्न फांसो, गाठों, लेसिंग, टेंट पिचिंग, फर्स्ट एड अनुमान लगाना इत्यादि के आधार पर पूर्वाभ्यास कराया गया। शिविर में अध्यक्ष जिला संघ दुर्ग अशोक देशमुख ने प्रतिभागियों को सम्बोधित कर शिविर की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं और स्काउटिंग गाइडिंग के जीवन में महत्व को समझाते हुए दिशा और मानचित्र विषय पर व्याख्यान दिया।शिविर में ब्लाक सचिव धमधा देवेन्द्र देवांगन, भोजन प्रभारी नीरज कुमार साहू, सुश्री रश्मी बंजारे, रेखा शर्मा का सहयोग प्राप्त हुआ।

साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद का मनाया जन्मदिन

दुर्ग। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय तितुरडीह दुर्ग में साहित्यकार प्रेमचंद के जन्म दिवस पर उनके साहित्यिक योगदान पर आयोजन किया गया। वरिष्ठ व्याख्याता चरणजीत भुल्लर द्वारा प्रेमचंद के चित्र पर मल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन किया गया। व्याख्याता कैलाश बनवासी ने प्रेमचंद के जीवन और साहित्यिक यात्रा का विस्तार से परिचय देते हुए उन्हें देश के जागरण का अग्रदूत बताया। व्याख्याता मधुबाला कसार ने प्रेमचंद की कहानी बड़े भाई साहब का सार्थक पाठ और विश्लेषण प्रस्तुत किया। शाला के विद्यार्थी तान्या रात्रे, ताम्रध्वज साहू, कुणाल ने भी प्रेमचंद के जीवन और साहित्य पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर व्याख्याता जितिंदर लाम्बा, सुरेश कुमार, राजेश मारू, गीता पिल्लई, संगीता गायकवाड़, उज्ज्वला, शिक्षक हितेश कुमार, विवेक राजपूत आदि मौजूद थे।

पुरानी पाइप लाइनों को करेंगे बंद, व्यर्थ पानी बहाने पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर निगम के वार्डों में पेयजल संकट को लेकर विगत दिनों विधायक और महापौर ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में तय किया गया है कि अमृत मिशन के तहत दिए गए कनेक्शन के अलावा पुराने पाइप लाइनों को बंद किया जाएगा, जिससे व्यर्थ उभर रहे पेयजल पर लगाम लगाया जा सके और नल कनेक्शन का प्रेशर बढ़ाया जा सके। इसके लिए अधिकारियों को 20 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है।

निगम प्रशासन का दावा है कि, शहर के 60 वार्डों में 21 टंकियां तैयार की गई है, वर्तमान में सभी टंकियां चालू है, इसके बाद भी नल कनेक्शन में प्रेशर नहीं बन रहे हैं। बैठक में अफसर ने बताया कि, अमृत मिशन के तहत दिए गए कनेक्शन के अलावा पुराने कनेक्शन संचालित हो रहे हैं। जिसके चलते शहर में व्यर्थ पानी बह रहा है। इस पर लगाम लगाने व्यर्थ बह रहे कनेक्शन मामले पर कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया है। नगरपालिक निगम के डाटा सेंटर में विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आयुक्त लोकेश चन्द्राकर समेत अधिकारी, कर्मचारियो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक एवं घरेलु नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें।

पेयजल एवं सीवर समस्या को लेकर विधायक एवं महापौर ने की समीक्षा

पटरीपार के वार्डों में मिल रही ज्यादा शिकायत

पानी नहीं आने की ज्यादा शिकायत शंकर नगर एवं पटरीपार क्षेत्रों में है। जिसे सुधारा जाना अतिआवश्यक है। विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कहा गया कि, शहरी क्षेत्रो के अंदर बीस दिनों के भीतर जिन जिन क्षेत्रों में समस्या है। शहर में 21 टंकियों का निर्माण किया गया है. जिनमें सभी टंकियों को चालू किया गया है। परंतु सभी टंकियां के पुरानी लाइनों को बंद नहीं किया गया है। जिन्हें शीघ्र बंद कर नई लाइनों में पानी का सप्लाई करने के आदेश दिए गए हैं । बैठक में बताया गया कि पुराने एवं नए पाइप लाइन से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिसके कारण कई जगह पानी के प्रेशर में कमी आती है।.सभी गलियों को पाइप लाइन से जोड़ने की योजना शीघ्र अतिशीघ्र बनाये ताकि पर्याप्त मात्रा में पानी की सप्लाई हो सके।

कार्रवाई किए जाने का फैसला

बैठक में कहा गया कि, शहर में कहीं भी पेयजल की समस्या न हो तथा नलकूप की मोटर खराब होने पर समय सीमा में आवश्यक रूप से ठीक की जाए। यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सीवर से संबंधित शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण किया जाए। जिसमें पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल एवं सीवर से संबंधित समस्या से विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व में 15 वे वित्त से कहां कहां पेयजल एवं सीवर लाइन डाली गई हैं, उसे बंद किया जाए। नगर निगम द्वारा अपील कर कहा गया है कि सभी नागरिक अपने घरों के नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें।

राहत : जिले के तीन लाख से अधिक श्रमिक हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

विभाग नहीं, अब श्रमिकों को सीधे खाते में मिलेगी योजना की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

श्रम विभाग में पंजीकृत हितग्राहियों को राहत देने के लिए राज्य शासन द्वारा अब योजनाओं की राशि हितग्राहियों को सीधे उनके खाते में जारी करने का फैसला लिया गया है। इस निर्णय के पीछे शासन ने यह हवाला दिया है कि, इससे पहले हितग्राहियों की राशि विभाग को जारी किया जाता था। ऐसे में ही हितग्राहियों को मिलने वाली राशि में अनावश्यक विलंब होता था। यही कारण है कि, योजना की राशि सीधे खाते में जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि, पूर्व में श्रम विभाग के तहत संचालित योजनाओं में औजार, साइकल, सिलाई मशीन सहित अन्य सामग्रियों का वितरण किया जाता था। लेकिन पिछले साल से हितग्राहियों को इन सामग्रियों के बदले नगद राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इस फैसले के बाद अब श्रम विभाग के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को राशि के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मुख्यालय से अब एक क्लिक पर राशि जारी होगी। श्रम मंत्री सह अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल श्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में विगत दिनों नवा रायपुर स्थित बोर्ड कार्यालय में हुई संचालक बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। लंबे समय से जानकारी मिल रही थी कि, मुख्यालय से हितग्राहियों को राशि समय से जारी कर दी जाती है, लेकिन जिलों में आबंटित करने में देरी होती है।

इससे हितग्राहियों को बार-बार विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस पर श्रम मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द एक ऐसी प्रणाली बनाए जिससे हितग्राहियों को एक क्लिक में उनके खाते में राशि पहुंच सके।

राज्य शासन के फैसले से मिलेगा तत्काल लाभ

जिले में 50 हजार से ज्यादा श्रमिक लाभान्वित

श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल 2023 से 18 जून 2024 तक जिले में श्रम विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं 50000 से अधिक हितग्राहियों को करीब 39 करोड रुपए का नगद वितरण किया गया है। इसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल के तहत संचालित 12 योजनाओं में 32684 श्रमिकों को 19 करोड़ 77 लाख 65130 किया गया है। इसी तरह असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक एवं सुरक्षा मंडल के तहत संचालित 6 योजनाओं में 3638 श्रमिकों को 4 करोड़ 20 लाख 25 हजार 250 रुपए का वितरण किया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री नानी सशक्तिकरण सहायता के 6 योजना 16888 श्रमिकों को 16 करोड़ 99 लाख 9 सौ रुपए जारी किया गया।

ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी कोचिंग

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना के तहत अब ऑफलाइन और ऑनलाइन भी कोचिंग मिलेगी। वर्तमान में 10 जिलों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। ब्लॉक और तहसील क्षेत्र के बहुत सारे ऐसे श्रमिक परिवार के बच्चे जो कोचिंग करना चाहते हैं, लेकिन दूरी अधिक होने की वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए निर्णय लिया गया कि पांचों संभागीय मुख्यालय में ऑफलाइन कक्षाएं आयोजित करने निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत पीएससी, व्यापम, बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी। प्रदेश के 10 जिलों में इस योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है। जिसमे रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, महासमुंद जिले में इस योजना की शुरुआत की जा रही है।

विभाग में चलाई जा रही है योजनाएं

श्रम विभाग में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन निर्माण कर्मकार मंडल के तहत 12 योजना संचालित हैं। जिसमें मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना मुख्यमंत्री साइकिल सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक ओजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशी योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना संचालित है। वही असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक एवं सुरक्षा मंडल के अंतर्गत 6 और मुख्यमंत्री नानी सशक्तिकरण भी 6 योजना संचालित है।

हरेली पर विधायक ने दी किसान भवन की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

हरेली तिहार के शुभ अवसर पर दुर्गवासियों को किसान भवन की सौगात मिली है। शहर विधानसभा क्षेत्र में 6 स्थान पर भवन बनना है। विधायक गजेंद्र यादव ने पुलगांव के वार्ड से किसानो के साथ विधिवत भूमिपूजन किये। सावन माह की अमावस्या को मनाये जाने वाले हरेली त्यौहार पर विधायक गजेंद्र यादव सुबह डीपरापारा पहुँचे और हल, फावड़ा सहित कृषि औजारों की पूजा कर किसानों की सुख समृद्धि के लिए कामना किये। दुर्ग शहर के बोरसी, पोटिया, बघेरा, उरला, करहीडीह व पुलगांव में किसान भवन बनाया जाना है। 6 स्थानो पर बनने वाले भवन के लिए शासन से राशि की स्वीकृति मिलने के बाद आज पुलगांव में किसानों व वार्डवासियों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया गया। लगभग 20 लाख की लागत से बनने वाले किसान भवन में बड़ा हॉल एवं कक्ष रहेगा। जहाँ किसानो के बैठने उठने के लिए उपयुक्त स्थल मिलेगा। किसानों को कृषि से संबंधित जानकारी, प्रशिक्षण, बैठक, परिचर्चा के लिए भवन लाभकारी साबित होगा। इस अवसर पर वार्ड 55 पुलगांव में हरेली पर्व पर महिला ने कुर्सी दौड़ तो पुरुष वर्ग नारियल फेंक जैसे पारम्परिक खेलो में भाग लिए और पुरुस्कार जीते। डिपरापारा में युवाओं ने नारियल फेंक, बच्चों ने गेड़ी तो बच्चियों ने झूले का आंनद लिए। इस दौरान पार्षद पुष्पा गुलाब वर्मा, अजय वर्मा, पार्षद कांशीराम कोसरे, चंद्रशेखर चंद्राकर, चतुर्भुज राठी, शरदचंद्र अग्रवाल, अश्वनी निषाद, लक्ष्मीकांत दुबे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

- पारंपरिक खेलों में खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

कांवर यात्रा जलाभिषेक आज

दुर्ग। उर्वसी गौरी-गौरा एवं मोर शीतला दाई जुड़वास समिति द्वारा वार्ड 57-58 उरला श्री सिद्धेश्वर मंदिर रेलवे क्रासिंग द्वारा 5 अगस्त को कांवर यात्रा, जलाभिषेक, महाआरती व प्रसादी वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर कांवरिए शिवनाथ नदी बेलौदी से जल लेकर श्री सिद्धेश्वर धाम मंदिर में जलाभिषेक किया जाएगा। सुबह 7.30 बजे से कांवर यात्रा, दोपहर 12.30 बजे जलाभिषेक तथा दोपहर 2.30 बजे से प्रसादी वितरण किया जाएगा।

प्लास्टिक मैनेजमेंट के संचालन के लिए मिलेगा वाहन, टीम ने देखा ट्रीटमेंट प्लांट

दुर्ग। भारत सरकार नई दिल्ली से पहुंचे डायरेक्टर, डी.डी.डब्ल्यू.एस. सपना देवी रेड्डी द्वारा ग्राम पंचायत घुघवा (क) एवं पतोरा, ज.पं. पाटन का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत पतोरा में निर्मित फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई, सेग्रीगेशन वर्कशेड, सामुदायिक शौचालय, टायलेट क्लिनिक, ग्राम पंचायत आदि का अवलोकन किया गया।जिपं. सीईओ अश्वनी देवांगन ने बताया कि, जिला दुर्ग के सभी गांव में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सभी गांव में सेग्रीगेशन वर्कशेड में घर-घर कचरा एकत्रीकरण के बाद ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित प्रबंधन किया जा रहा है। प्रत्येक विकासखंड में 01-01 प्लासिटक वेस्ट मैनेजमेंट इकाई स्थापित की गई है, जिसमें विकासखंड के सभी ग्रामों को जोड़ा जायेगा एवं प्लास्टिक के पुनः चक्रण की व्यवस्था की जायेगी। 15 अगस्त को राज्य द्वारा दिये गये निर्देशानुसार उद्घाटन किया जायेगा। प्लास्टिक वेस्ट मैंनेजमेंट यूनिट के सफल संचालन के लिये वाहन की व्यवस्था किये जाने हेतु चर्चा की गई है।

पतोरा के संचालक की प्रशंसा

ग्राम पंचायत स्तर पर तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु तैयार किये गये सोकपिट, लिचपिट, त्री स्तरीय जल शुद्धिकरण इकाई आदि निर्मित इकाईयों के संबंध में जानकारी देते हुए इन संरचनाओं के निर्माण से ग्रामीणों को पहुंचने वाली सुविधाओं के संबंध में बताया गया। सरपंच अंजीता गोपेश साहू एवं ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका के लिये रेड्डी द्वारा प्रशंसा करते हुए कहा गया कि, पतोरा माडल के सफल संचालन के विषय में भारत सरकार नई दिल्ली में जो जानकारी प्राप्त हुई थी। उसे आज यहाँ आकर स्वयं से अवलोकन करने पर बहुत ही प्रशन्नता व्यक्त की।

संगीताा को मिली पीएचडी की उपाधि

दुर्ग। संगीता वर्मा को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा उनके शोध विषय 'उच्तर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा, अधिगम शैली एवं शैक्षिक लोच का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव' के लिए पीएचडी से सम्मानित किया गया है। उनका शोध कल्याण कॉलेज, भिलाई की सहायक प्राध्यापक डॉ. आरती मिश्रा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। वर्तमान में, डॉ. संगीता घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में सहायक प्राध्यापक और डी.एल.एड विभाग की प्रमुख हैं। डॉ. संगीता अपनी सफलता का श्रेय अपने पति श्री निरंजन कुमार वर्मा, अपने बेटों गौरव और प्रांजल एवं अपने सभी दोस्तों और सहकर्मियों को देती हैं।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद, समस्याओं के त्वरित समाधान से लोगों में हर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत शहर के वार्ड क्रमांक 08 तकिया पाराएवार्ड क्रमांक 07 शिक्षक नगर एवं वार्ड क्रमांक 09 गिरधारी नगर वार्ड के नागरिको के लिए शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में समस्याओं को लेकर पहुंचे वार्डवासियों में से कुछ की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया, वहीं कुछ समस्याओं को सूचीबद्ध कर उसके शीघ्र निराकरण के लिए आश्वस्त किया गया। ज्ञात हो कि जन समस्या निवारण पखवाड़े में वार्ड के लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। लोग अपनी समस्या लेकर शिविर में पहुंच रहे है, जिसे निगम प्रशासन द्वारा निराकरण किया जा रहा है साथ ही जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे वार्डवासियों की कई समस्याओं का निगम प्रशासन के द्वारा त्वरित किया जा रहा है। जन समस्या निवारण पखवाड़ा में महापौर धीरज बाकलीवाल एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी, मनदीप सिंह भाटिया, पार्षद विजेद्र भारद्वाज उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 200 लोगों ने अलग-अलग मांग व शिकायत लेकर शिविर में पहुंचे। शिविर में 200 शिकायतों में 140 का निराकरण कर शेष 60 आवेदनों को निराकरण करने संबंधित विभाग को सौंपा गया।

- शिविर में मिले 200 आवेदन 140 का मौके पर निराकरण

इन समस्याओं के मिल रहे आवेदन

जन समस्या निवारण पखवाड़े में लोग नल कनेक्शन, राशन कार्ड, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, स्ट्रीट लाइट संबंधी, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, जलापूर्ति में लीकेज, साफ-सफाई, टूटी फूटी नालियों का निर्माण, सड़क जैसी जनता की समस्याएं सामने आ रही हैं। जिनका निराकरण यथाशीघ्र किया जा रहा है। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं अन्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

विधायक,महापौर ने पुष्प वर्षा कर कावड़ियों का किया स्वागत

अग्रवाल समाज ने डीजे की धुन पर निकाली कांवड़ यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

श्रावण मास में हरेली अमावस्या के अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा भगवान भोलेनाथ की भव्य व आकर्षक कांवड़ यात्रा निकाली गई। यह कावड़ यात्रा शिवनाथ नदी दुर्ग से प्रारंभ होकर अग्रसेन भवन दुर्ग पहुंची। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल व महासचिव ललित सक्सेरिया ने बताया की युवा मंडल द्वारा आयोजित इस कावड़ यात्रा में बच्चे युवा बुजुर्ग महिलाएं सभी सम्मिलित थे। कावड़ यात्रा में सभी भक्त बोल बम का नारा लगाते हुए संगीत मय भजन में नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। कावड़ यात्रा के अग्रसेन भवन पहुंचने पर विधायक ललित चंद्राकर एवं महापौर धीरज बाकलीवाल सहित समाज के वरिष्ठ विजय अग्रवाल संरक्षक सुधीर अग्रवाल, कैलाश रुंगटा ने कावड़ यात्रा का पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया एवं कांवड़ियों का उत्साहवर्धन किया। तत्पश्चात सभी कांवरियों ने पार्थिव शिवलिंग पर जलाभिषेक कर आरती की। आरती पश्चात भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई थी। अग्रवाल समाज के सचिव दीपक बंसल एवं युवा मंडल के अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल ने बताया की कावड़ यात्रा का यह प्रथम वर्ष था। युवाओं एवं महिलाओं के उत्साह को देखते हुए उन्होंने प्रतिवर्ष कावड़ यात्रा निकालने का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर समाज के बृजमोहन अग्रवाल, राधे श्याम कीर्तूका, प्रदेश सचिव संजय गर्ग, पंकज कीर्तुका, मुरारी अग्रवाल , मनोज अग्रवाल, किशोर रूंगटा, सतीश, विनीत, गिरीश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सरिता गोयल, सरोज अग्रवाल,, अनीता अग्रवाल, शारदा अग्रावल,,आकाश, मयंक, अतुल,,अनूप, आशीष रुंगटा सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

- यात्रा में बच्चे, युवा, बुजुर्ग व महिलाएं रहीं शामिल

भोलेनाथ का हो रहा है प्रतिदिन रुद्राभिषेक

अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन भवन में प्रतिदिन भगवान शंकर का रुद्राभिषेक किया जा रहा है। अग्रवाल समाज का प्रत्येक परिवार एक धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हो रहा है आज का रुद्राभिषेक गोयल परिवार द्वारा संपन्न हुआ कल का रुद्राभिषेक विजय अग्रवाल एवं संजय रुंगटा परिवार द्वारा संपन्न होगा।

गयाबाई प्राथमिक स्कूल में कराया गया न्यौता भोज

दुर्ग। शासकीय गया बाई प्राथमिक शाला गया नगर में दुर्ग ब्लाक के संकुल समन्वयक संघ के द्वारा न्योता भोजन कराया गया। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के तहत शासकीय शालाओ में जनमानस व विभाग के कर्मचारियों के द्वारा न्योता भोजन प्रारंभ किया गया है। जिसमे शाला के 85 बच्चों ने भोजन लाभ किया। उपरोक्त कार्यक्रम में संकुल समन्वयक हरीश देवांगन, अनुपम अग्रवाल, इंद्रेश बंजारे, रामकुमार, संजय चंद्राकर, देवकीनंदन शर्मा, जयंत यादव, नेमसिंह, लीलसिंह वर्मा व समस्त संकुल समन्वयक एवं गया बाई प्राथमिक शाला के शाला परिवार साधना बावनकर, प्रीति साहू रितुराज साहू सर व शिक्षकों ने योगदान दिया।

खबर संक्षेप

पार्थिव शिवलिंग का जलाभिषेक करेंगे आज

सेलूद। बोल बम समिति सेलूद के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन महीना के तीसरे सोमवार को भगवान शिव की महापूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 5 अगस्त को शिव मंदिर किसान राइस मिल सेलूद पंडित कालेश्वर शुक्ला सेलूद के द्वारा विधि विधान से पूजा संपन्न कराया जाएगा। वहीं टीपी शर्मा दोनों पंडित के द्वारा ग्राम सेलूद में पहली बार 21000 लोटा जल से पार्थिव शिवलिंग का जलाभिषेक किया जाएगा। कालेश्वर प्रसाद शुक्ला ने लोगों से अपील की है कि जलाभिषेक के लिए अपने साथ तांबे का लोटा, बेलपत्र और फूल लाना है।

ढौर में कांवर यात्रा तैयारी के लिए हुई बैठक

सेलूद। ग्राम ढौर में कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में बैठक आयोजित किया गया। जिसमें 12 अगस्त को ठाकुराइटोला से पाटन तक जितेंद्र वर्मा संयोजक के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा निकाला जाएगा। इस संबंध में यह बैठक किया गया जिसमें गांव के सरपंच दुलारी यादव भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति, हर प्रसाद आडिल, राम भरोसा साहू, रामभगत, रामलाल साहू रोमनाथ साहू बड़े संख्या में महिला युवा उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की संकल्पित लिए।

कुम्हारी की विद्या को मिला उद्योग श्री अवार्ड

कुम्हारी। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत गठित जय मां शीतला स्व सहायता समूह की सचिव विद्या चक्रधारी को उद्योग श्री अवार्ड प्रदान किया गया है। यह अवार्ड उन्हे शगुन फाउंडेशन तथा छत्तीसगढ़ महिला मंच रायपुर द्वारा आयोजित होम डेकोर तथा लाईफ स्टाइल प्रोडक्ट की प्रदर्शनी के दौरान दिया गया। विद्या चक्रधारी विभिन्न प्रकार के प्रदर्शनी तथा मेले मे लगातार भाग लेकर अपना आजीविका संवर्धन कर रही है। वे अपने समूह की महिलाओं तथा स्कूली बच्चों को भी मिट्टी बर्तन और अनाज के दानों से राखी बनाना भी सिखाती है।

निधन

विरेंद्र सिंह चन्द्राकर

अंडा। ग्राम खप्परवाड़ा निवासी पूर्व अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति खप्परवाड़ा एवं पूर्व सरपंच हेमलता चन्द्राकर के पति विरेंद्र सिंह चन्द्राकर उम्र 74 वर्ष का

आकस्मिक निधन 3 अगस्त को हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे सौरभ चन्द्राकर व संदीप चंद्राकर के पिता थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार को छोड़ गये।

अंचल सहित नगर के किसानों ने कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर मनाया हरेली पर्व

लोगों के जीवन में उमंग लाता है हरेली त्योहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

हरेली तिहार ने खेतों में हरेभरे धान पौधों ने चारों ओर हरियाली का मंत्र मुग्ध संदेश दिया है। विभिन्न पकवानों से घरों को महकाने वाला प्रथम तिहार हरेली सबके मन को हराभरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। अनवरत वर्षा के कारण खेतों में पानी की समतल आपूर्ति का आकलन करते हुए किसान सीनियर सिटीजन किसान कामता प्रसाद साहू ने कहा कि हरेली तिहार जीवन को हरा भरा करती है।

इस वर्ष खेतों के लिए पानी पर्याप्त मात्रा में है धूप मिलते ही धान फसल उन्नत स्वरूप में किसानों को हर्षित करेगी। युवा किसान जितेंद्र साहू ने बताया कि जिनका धान पौधा छोटा है उन्ही को अनवरत वर्षा से नुकसान हो सकता है। जिनका पौधा सजोर हो गया है उनके लिए पानी लाभदायी है। मौसम खुलते ही फसल किसानों को अच्छे फसल के आसार सामने दिखने लगेगा।

हरेली तिहार में कृषि औजारों की पूजा नौनिहाल पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की संस्कृति से रूबरू करा रही है। युवा किसान पिता अंगेश्वर साहू के साथ उनके बच्चों ने भी पूजा अर्चना की। उल्लेखनीय है संस्कार का हस्तांतरण ऐसा ही होना उपयुक्त होता है। अंगेश्वर साहू कहते है कि प्रत्येक तिहार संस्कृति की झलक दिखाती है आने वाली पीढ़ी को संस्कार का अनुपम उपहार भेंट करती है।

युवा ग्रामीण अभिषेक सेन कहते है कि हरेली में चहूं ओर हरा भरा दिखता है। गर्मी की तपन से परेशान तन को भी राहत मिलती है। अब गेड़ी, नांगर, गिल्ली-डंडा] भंवरा धीरे-धीरे इतिहास की कहानी का पार्ट बनते दिखने लगी है। जमाना बदल रही है का संकेत सब तरफ दिखने लगी है। सीनियर ग्रामीण बसंत शिंदे कहते है पहले हरेली तिहार में गेड़ी की आवाज सुनने को मिलती थी अब तो गेड़ी चढ़ने वाले नजर ही नहीं आते। बारिश के दिनों में पहले गांव की गलियों में कीचड़ रहती थी तो चलने में गेड़ी मददगार साबित हुआ करती थी अब तो गली गली सिमेंटी कारण और घर घर सायकल, मोटरसायकल हो गया है लोगो को गेड़ी की कमी नहीं खलती ।लगता है आने वाले दशक में गेड़ी इतिहास के पन्नो दर्ज हो जाएगा।

हरेली तिहार नई पीढ़ी को संस्कार का अनुपम उपहार भेंट करती है: अंगेश्वर

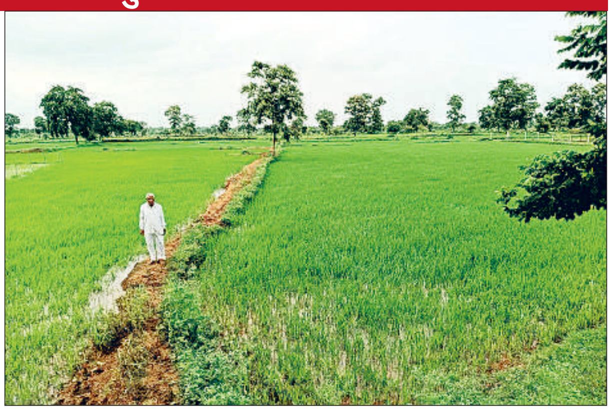

गातापार दुर्गा उत्सव समिति ने किया पौधारोपण

जामगांव आर। नवयुवा दुर्गा उत्सव समिति गातापार में हरेली त्योहार के उपलक्ष्य में अध्यक्ष नोमेश कुमार साहू, उपाध्यक्ष गजेंद्र कुमार साहू के द्वारा देवेंद्र साहू सहित युवाओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया गया।

संस्कृति और संस्कार से नई पीढ़ी को अवगत कराती है हरेली तिहार

जामगांव आर। नवागांव में किसानों ने बड़े उत्साह के साथ हरेली पर्व मनाया गया। रविवार को हरेली तिहार पर किसानों ने कृषि हजारों की पूजा किया। डोमार सिंह साहू ने बताया कि हरेली तिहार से पहले कृषि कार्य पूरा हो जाता है यानी बुवाई, बियासी, रोपाई के बाद किसान और पशुधन दोनों ही आराम करते हैं। वहीं भीषम कुमार साहू ने कहा कि इस बार सरकारी छुट्टी की वजह के कारण गांव देहात के साथ शहर में भी हरेली त्योहार का उत्साह देखने को मिलता है। समाज सेवी अभिषेक ने बताया कि हरेली के दिन किसान अपने हल सहित कृषि औजार रापा,गैती, कुदाली,टंगिया जैसे कई औजार जो कृषि कार्य मे उपयोग होते हैं, इनकी पूजा किए। हरेली तिहार के कार्यक्रम पर शामिल समाजसेवी अभिषेक सेन, डोमारसिंह साहू, भीषम कुमार साहू, सीताराम, धैर्य साहू, मानस साहू , कुणाल साहू उपस्थित थे। हरेली त्योहार छत्तीसगढ़ का यह प्रथम तिहार है और नई पीढ़ी को संस्कृति और संस्कार की राह दिखाती है।

जंजगिरी में चलाया गया 'एक पौधा मां के नाम' अभियान

अंडा। छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली के पावन पर्व पर दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंजगिरी वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत दुर्ग अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, सरपंच रेखा अजय चतुर्वेदी एवं तरुण देशमुख सहायक संचालक नया रायपुर के नेतृत्व में अपने गृहग्राम जंजगिरी में डुमराही तालाब सड़क किनारे एवं भांठा खार सडक किनारे पौधारोपण किया गया एवं प्रधानमंत्री आवास योजना हितग्राहियों को नीम का पौधा सरपंच रेखा चतुर्वेदी के द्वारा वितरण किया गया। इस अवसर पर मंजू देशमुख पंच, सुनीता साहू पंच, तामेश्वरी यादव पंच, मंजू फलित देशमुख, सचिव नेवेन्द्र कुमार यादव, प्रदीप देशमुख, पंकज देशमुख, अजय साहू, दीपक कुमार, चित्रसेन, कमल नारायण ठाकुर, दिलीप, नेमन एवं लक्ष्य मैदान अंडा से युवराज देशमुख, निलेश देशमुख, खुशी, दीपेश सभी ने मिलकर कल 71 पौधा नीम कदम गुलमोहर आदि का रोपण किया गया।

गेड़ी ने दिलाई नारद को बचपन की याद

जामगांव आर। भारतीय जनता युवा मोर्चा जामगांव आर मंडल अध्यक्ष नारद साहू ने हरेली तिहार में कृषि औजारों की पूजा करने के बाद गेड़ी मचते हुए अपने गांव धमना में निकल पड़े। उन्होंने कहा कि गेड़ी विलुप्तता के कगार की ओर है लेकिन मुझे बचपन की याद को ताजा करने और नई पीढ़ी का सुंदर अवसर हरेली तिहार में मिला है।

धमना में हरेली पर पौधारोपण

जामगांव आर। हरेली के पावन अवसर पर समाजसेवी संस्था नव युवा मित्र मंडल नेहरू युवा केंद्र दुर्ग जिला युवा अधिकारी नीति शर्मा के दिशा निर्देश पर छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार हरेली के पावन अवसर पर हरियाली का संदेश देते हुए बेल, आम ,अमरूद , बरगद आदि पौधे लगाए गए और लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शिवराज यादव, भुवन लाल साहू, ढाल सिंह, लोकनाथ यादव, प्रेम शंकर साहू, छत्रपाल आदि उपस्थित थे।

हरेली का त्योहार तभी सार्थक जब हरियाली का दें सौगात

अंडा। शांतिवन प्रखर वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा हरेली त्यौहार के अवसर पर ग्राम कुथरेल के खदान तालाब में पीपल का पौधारोपण कर त्योहार मनाया गया। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार के रूप में मनाया जाता है जिसमें कृषि कार्यों में प्रयुक्त सामानों का पूजा किया जाता है ताकि किसानों और कृषि कार्यों में खुशहाली आ सके। शांति वन प्रखर वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रेमलाल देशमुख ने बताया कि फाउंडेशन का उद्देश्य प्रदेश भर में हरियाली लाना एवं पौधारोपण को लेकर लोगों में जागरूकता लाना विशेष रूप से है जिस उद्देश्य को लेकर फाउंडेशन विगत वर्षों से प्रदेश भर में कार्य कर रहा है जिसमें आज हरेली त्यौहार के उपलक्ष में 10 फीट के पीपल पौधे का रोपण कर हरेली त्योहार में हरियाली की सौगात दिया गया। आज मित्रता दिवस भी है जिसमें मित्रता के प्रति पीपल का पौधा रोपण कर सभी मित्रों को मित्रता दिवस की बधाई दिया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष दीना देशमुख, सचिव नागेन्द्र चंद्राकर, कोषाध्यक्ष किशोर देशमुख, संयुक्त सचिव वेद्रु साहू और कमलेश देशमुख, महावीर जैन उपस्थित थे।

प्रेमचंद जयंती और यादें रफी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी के तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जयंती व यादें रफी कार्यक्रम तुम मुझे यूं भुला न पाओगे का सफल आयोजन किया गया । कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह आयोजित की गई। जिसमें मुंशी प्रेमचंद रचित पंच परमेश्वर कहानी का पाठ रविंद्र कुमार थापा ने किया। जिस पर समीक्षा करते हुए अजय यादव ने अपने विचार रखे। आये हुए अतिथियों ने साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जीवनी व उनके द्वारा लिखें साहित्य व उपन्यासों का वाचन कर परिचर्चा किया। कार्यक्रम में मो. रफी की याद में उनके गानों से समा बांधा गया। मो. रफी के गीतों से श्रोताओं का मनमोह लिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बिलासपुर वरिष्ठ पत्रकार दीपक राई , रायपुर से वीरेंद्र राई, भिलाई से राजेन्द्र राणा व कुम्हारी पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू निषाद भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मनोज शर्मिला, विकास चौधरी, विक्रम शाह ठाकुर, जितेंद्र कुशवाहा, डॉ. अविनाश गुप्ता, अवधेश शुक्ला, रामकुमार सोनी, आलोक दुबे, संतोष सोनी, राजेश निषाद ने गीतों से समांबाधा।

सेवा अवधि में ऐसा कार्य करें जो सेवनिवृति के बाद स्वयं को गर्व महसूस करा सके: पिल्लई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामगांव आर में सेवानिवृत भृत्य सुदर्शन चंदेल को भावभीनी बिदाई दी गई। बिदाई

■ सेवानिवृत भृत्य सुदर्शन को दी भावभीनी विदाई

समारोह के मुख्य अतिथि आरएस साहू सेवानिवृत्त व्याख्याता थे। अध्यक्षता राजेश पिल्लई प्राचार्य व ओपी वर्मा प्रभारी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामगांव आर ने किया। विशेष अतिथि डोमनलाल साहू मंचासीन थे। चंदेल के साथ उनके धर्मपत्नी का भी स्वागत किया गया।

उन्मुक्त समाज सेवा का अवसर

प्राचार्य राजेश पिल्लई ने कहा कि शासकीय सेवा अवधि में चंदेल का व्यवहार सराहनीय रहा। कार्य को समझदारी और सरलता के साथ करने की कला प्रेरणादाई रहा। वास्तव में प्रत्येक शासकीय सेवक को सेवा ऐसा करना चाहिए जो सेवानिवृत होने के बाद स्वयं पर गर्व हो सके। प्राचार्य ने कहा कि शासकीय सेवा के बाद उन्मुक्त समाज सेवा का अवसर मिलता है। प्रभारी ओपी वर्मा ने चंदेल के कार्यों का सराहना की।

चंदेल हुए भावविभोर: शिक्षक सीएल साहू, नाग सर ने कहा कि किसी भी काम के लिए कभी न नहीं कहना सेवा समर्पण की ओर इंगित करता है। आरएस साहू ने हमेशा स्वस्थ और दीर्घायु रहने की कामना की। विनीता सुधीर और छात्राओं द्वारा बिदाई से संबंधित गीत प्रस्तुत किया। अंत में चंदेल ने स्टॉफ के साथ बिताए पल को याद कर भावविभोर हो गए। इस कार्यक्रम में व्याख्याता दीपिका मारकंडे, दीप्ति प्रधान, सीएल साहू, हेमा राजपूत, माधुरी यादव, वसीम खान, चंद्रहास साहू, राजेंद्र नाग, अमन पाटकर, रचना तिवारी, रानी नंदनी और प्रियंका उपस्थित थे। संचालन नीलक्षी मुखोपाध्याय और आभार प्रदर्शन विनीता सुधीर ने किया।

शुभ लक्ष्मी प्रापर्टी एवं डेवलेपर्स ने निजी मार्ग के नाम से पहुंच मार्ग किया बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

ग्राम सिरना भाटा तहसील धमधा में कालोनाइजर शुभ लक्ष्मी प्रापर्टी एवं डेवलेपर्स द्वारा निजी मार्ग के नाम पर 12 मीटर चौड़े पहुंच मार्ग को अवरुद्ध कर किसानों का आना जाना बंद कर दिया है। मामले की शिकायत कलेक्टर दुर्ग से करते हुए किसान आलोक अग्रवाल ने बताया कि ग्राम सिरना भाटा में उनकी मां गीता अग्रवाल के नाम से खसरा नंबर 437, 438/3,438/5 कृषि भूमि है जो धमधा बेमेतरा मुख्य मार्ग से मात्र 400 फीट की दूरी पर है। उक्त कृषि भूमि पर आने जाने वाले रास्ते को दीवाल उठाकर उक्त कालोनाइजर द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है। तहसीलदार दुर्ग द्वारा रास्ता खोलने मेरे पक्ष में निर्णय दिया था। लेकिन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धमधा द्वारा मार्ग अवरुद्ध करने वाले कालोनाइजर के पक्ष में निर्णय दे दिया है जिसके कारण हम किसानों को दुरस्त ग्राम मोतिमपुर से होकर अपने खेतों तक पहुंचने मजबूर कर दिया गया है। अग्रवाल ने इस निर्णय को अव्यवहारिक बताया है। साथ ही कहा है कि कोई भी किसान अपनी खड़ी फसल से हमे जाने नही देगा। उन्होंने आगे कहा है कि राजस्व विभाग भ्रष्ट लोगों से भरा पड़ा है, अधिकारी गण किसानों की समस्या सुलझाने के बजाय कालोनाइजर, दलालो, अवैध प्लाटिंग करने वाले, भू माफियाओं से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। मार्ग चाहे निजी हो या सार्वजनिक अवरुद्ध करने से किसानों को समय के साथ-साथ अन्य बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री अग्रवाल ने कलेक्टर दुर्ग से मांग की है कि उक्त कालोनाइजर द्वारा निजी मार्ग के नाम पर बाधित 12 मीटर चौड़े रास्ते के दीवाल को हटवाकर किसानों के साथ हो रहे अन्याय को बंद करने की मांग की है। वहीं धमधा एसडीएम सोनल डेविड ने कहा है कि इस मामले के संबंध में अभी कुछ बता पाना संभव नहीं है कार्यालयीन समय मे देख कर बता सकता हूँ।

■ प्रभावित किसानों ने दीवाल हटवाने कलेक्टर से की मांग

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में विशेष ऑफर को मिल रहा ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। दुर्ग शहर के हृदय स्थल ओम ज्वेलर्स शॉप नंबर 64 बी इंदिरा मार्केट दुर्ग अपनी डिजाइन व और वैरायटी के सुप्रसिद्ध स्थान है एवं टोटल हॉल मार्क जेवर 18 कैरेट, 20k.22k न्यूनतम मजदूरी के साथ अपने ग्राहकों को हमेशा दी जा रही है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को हमेशा नग मीने कुंदन के ज़ेवर उपलब्ध नहीं करता बल्कि जिसमे ज्यादा लॉस न हो वही ज़ेवर प्रदान किया जाता है। हर 10 ग्राम खरीदी पर निश्चित कुछ ना कुछ गिफ्ट आइटम अपने ग्राहकों को प्रदान की जाती है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को टोटल शुद्ध हॉलमार्क के गहने प्रदान करता है वही पुराने गहनों की भी अच्छी दाम मे वापसी लेता है। ग्राहकों कि विश्वनीयता वर्षो से कायम है नए नए ग्राहकों जो ओम ज्वेलर्स से जुड़ रहे है वो निःसंकोच सरकार द्वारा प्रमाणित huid हॉलमार्क के गहने खरीद सकते है जो शत प्रतिशत खरी है। शादी में दुल्हनों के लिए

एक से एक बढ़िया सोने चांदी के लेटेस्ट कलेक्शन गहनों का विशाल श्रृंखला है। देखने को मिलता है हमेशा ही लेटेस्ट व फ्रेश डिजाइन सीधा ग्राहकों को प्रदान की की जाती है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को टोटल शुद्ध हॉलमार्क के गहने प्रदान करता है वही पुराने गहनों की भी अच्छी दाम मे वापसी लेता है। ग्राहकों कि विश्वनीयता वर्षो से कायम है नए नए ग्राहकों जो ओम ज्वेलर्स से जुड़ रहे है वो निःसंकोच सरकार द्वारा प्रमाणित huid हॉलमार्क के गहने खरीद सकते है जो शत प्रतिशत खरी है। शादी में दुल्हनों के लिए एक से एक बढ़िया सोने चांदी के लेटेस्ट कलेक्शन गहनों का विशाल श्रृंखला है। देखने को मिलता है हमेशा ही लेटेस्ट व फ्रेश डिजाइन सीधा ग्राहकों को प्रदान की जाती है।

लोधी क्षत्रिय समाज केन्द्रीय भवन कोहका में शपथ ग्रहण समारोह

छत्तीसगढ़ की परम्परा को बनाएं रखना होगा: सांसद विजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

लोधी क्षत्रिय समाज केन्द्रीय भवन वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी चौक कोहका भिलाई में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जहाँ वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय बघेल जी सांसद दुर्ग लोकसभा, अध्यक्षता महेश वर्मा अध्यक्ष भाजपा भिलाई, विशेष अतिथि रिकेश सेन विधायक वैशाली नगर, कमलेश वर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोधी समाज, लालचंद वर्मा एमआईसी सदस्य नगर निगम भिलाई, प्रमोद सिंह सांसद प्रतिनिधि ने सांसद विजय बघेल का स्वागत शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हरेली तिहार है। बलराम ईस्ट देव है, हम सभी

को एक सूत्र में बंधे रहें ताकि हम जो बिखरे हुए हैं एक सूत्र में बंधे रहें। छत्तीसगढ़ की पहचान बनी रहें ये ही परम्परा को बना कर रखें। ये अपनी समझ का भाव है, लोधी समाज को आपस की बात को सहज सरलता से ये वैवस्था है। आज मैं सांसद हूं जो सम्मान मुझे लोधी समाज ने व्यक्तिगत रूप से दिया है। जिसका मैं हमेशा आभारी रहूँगा। हमारे पूर्व विधायक स्व विद्यारतन भसीन ने जो अनेकों कार्य किए है हम सभी उनके बताए हुए कार्य को मिलकर करेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष उतम चंदेल, उपाध्यक्ष विशाल राम वर्मा, महासचिव राजेश जंघेल, कोषाध्यक्ष रामावतार चंदेल, अकेक्षक मनीराम वर्मा, केन्द्रीय कार्यकारिणी अशोक वर्मा, अलखराम लोधी, राजेश कुमार वर्मा, सुरेश कुमार वर्मा, भगवती वर्मा सहित समाज के पदाधिकारियों, कार्यकर्ता बडी संख्या में उपस्थित थे।

महिलाएं हर क्षेत्र में बेहतर, सामाजिक विघटन भी रोकें: डॉ. पाल्टा

भिलाई महिला समाज का स्थापना दिवस समारोह में दिखी महिलाओं की प्रतिभा व सृजनात्मकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

हर्ष और उल्लास का यादगार लम्हा ..अपने दीर्घ सामाजिक सरोकार और प्रतिभा के योगदान को याद करने का सुनहरा दिन... और खचाखच भरे आडिटोरियम में हौसलाअफजाई करते अतिथि.. फिर वनिताओं के इंद्रधनुषी कार्यक्रम से मंत्रमुग्ध होती सैकड़ों महिलाएं।

महात्मा गांधी कलामंदिर सिविकसेंटर में रविवार को ऐसा ही ऐसा ही खुशनुमा वातावरण था। अवसर था भिलाई महिला समाज के 67 वें स्थापना दिवस समारोह का। समारोह की मुख्य अतिथि हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग की कुलपति डां. अरुणा पाल्टा थीं। महिला समाज की अध्यक्ष त्रिपर्णा दासगुप्ता विशेष रुप से उपस्थित थीं। मंच पर महिला समाज की उपाध्यक्ष नीरजा कुमारी सिंह, अतिरिक्त उपाध्यक्ष प्रणेती मुखोपाध्याय, मौली चक्रवर्ती, स्मिता गिरी, महासचिव साधना गोयल,सहसचिव साधना गोयल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन और सहसचिव दीपन्विता पाल भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में सदस्यों का उत्साह देखते ही बनता था, मुख्य अतिथि व समाज की अध्यक्ष के प्रेरक उदबोधन व महिलाओं के मोहक कार्यक्रम ने इसे दोगुना कर दिया। मुख्य अतिथि डां. अरुणा पाल्टा ने महिला समाज को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश में आज बदले हुए समाज में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से बेहतर काम कर रही हैं। कभी जो काम हमारे लिए वर्जित थे, वह सब कर रही हैं। वे आटो से लेकर फ्लाईट तक चला रही हैं। महिलाएं पुरुषों की तरह घर और बाहर के सारे काम कर रही हैं। लेकिन आज उन पर जिम्मेदारी चार गुना बढ़ गई है। । वो दिन दूर नहीं जब पुरुष भी हाथ बंटाएंगे। आज लड़कियों को पढ़ाई के साथ पसंद से शादी करने की भी आजादी है। लेकिन इसके साथ समाज का विघटन भी हो रहा है, जो विचारणीय है। घर में एक आदमी का पावरफुल होना जरुरी है, तभी विघटन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जरुरत से ज्यादा आजादी ठीक नहीं है। बच्चों का अनुशासन कितना बिगड़ रहा है । हमें महिला का आटो चलाना तो अच्छा लगता है लेकिन ठेले पर खड़े होकर सिगरेट पीना कतई अच्छा नहीं लगता। अब तो बात ड्रिंक तक जा पहुंच चुकी है ।पुरुषों से ऐसी बराबरी मार्डनाइजेशन नहीं है। परिवार में बच्चों को संस्कारवान और अनुशासन के लिए पत्नी को पति को अहमियत देना जरुरी है। डां. पाल्टा ने आह्वान किया कि बेहतर समाज के लिए हमें अपनी पुरानी संस्कृति कि जड़ों की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा सामाजिक सरोकार का आह्वान करते हुए कहा कि मेडिकल कालेज के एक स्टूडेंट की फीस 10 लाख होती है और सरकार उस पर 50 लाख खर्च करती है। लेकिन जब वह डांक्टर बनता है तो वह करोड़पति बनने की सोचता है। हमें समाज को भी योगदान देना चाहिए।

महिला समाज प्रेरणा का स्रोत: त्रिपर्णा

भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष त्रिपर्णा दासगुप्ता ने उदबोधन में कहा कि महिला समाज ने अपने सामाजिक कार्यों से 66 साल में भिलाई की प्रगित में महती योगदान दिया है। इस ऊंचाई पर पहुंचा समाज महिलाओं की सृजनात्मकता का प्रतीक है। महिला समाज जरुरतमंद महिलाओं के लिए आशा किरण और प्रेरणा का श्रोत बन गया है। उन्होंने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित कर आर्थिक रुप से मजबूत करना ही महिला समाज का उद्देश्य है। पूर्व में अध्यक्ष श्रीमती दासगुप्ता ने मुख्य अतिथि को स्मृतिचिन्ह भेंट किया। उपाध्यक्ष नीरजा कुमारी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया और महासचिव साधना गोयल ने महिला समाज की गतिविधियों का विवरण दिया। अतिथियों ने महिला समाज की संस्थापक अध्यक्ष नलिनी श्रीवास्तव के नाम बेस्ट क्लब ट्राफी नेहरु नगर क्लब को प्रदान दी। अतिथियों का स्वागत महिल समाज की अनिता सेन, सगीना , प्रेमशीला, कौशल्या व राजकुमारी साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन .... व आभार प्रदर्शन. .ने किया।

इंद्रधनुषी प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध

इस अवसर पर महिला समाज की सदस्यों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। प्रतिभाशाली महिलाओं ने गीत, नृत्य और नाटिका से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दस्ताना यूनिट के रेखा, पुन्नी, कौशल्या, सरिता, कल्याणी व निशा ने भावमय स्वागत गीत गाया। इसके बाद नेहा, मनीषा,संगीता आदि ने मोहक नृत्य से देशभक्ति का जज्बा जगाया। भिलाई महिला समाज की विभिन्न इकाइयों को 65 सदस्यों ने इंद्रधनुषी सांस्कृतिक प्रस्तुति से लोगों को भावविभोर किया।

खबर संक्षेप

एक शाम किशोर के नाम आज, प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान

भिलाई। किशोर फैन्स क्लब और एचडी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक शाम किशोर के नाम गायन समारोह का आयोजन 5 अगस्त को किया जाएगा। आयोजन नेहरूनगर सांस्कृतिक भवन सेक्टर-1 में किया जाएगा। संस्था के सचिव उमेश शर्मा ने बताया कि उनकी संस्था प्रतिभा संपन्न युवक एवं युवतियों को संगीत एवं गायन का मौका देती है। उभरते संगीत विभूतियों को मंच प्रदान कर कला जगत के मूर्धन्य राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय हस्तियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित कार्यक्रम में संगीत में किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, आशा भोसले, लता मंगेशकर, मन्ना डे आदि कई कलाकारों के गानों की प्रस्तुति होगी। यह कार्यक्रम अपने 18 वर्ष में प्रवेश कर चुका है। सभी कला प्रेमी सांस्कृतिक विविधताओं का समग्र गायन शाम 6:30 बजे शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा। आयोजन में मुख्य अतिथि आईजी रामगोपाल गर्ग, बीएसपी अधिकारी पवन कुमार होंगे। समापन समारोह में विधायक रिकेश सेन, ललित चंद्राकर, एसपी जितेन्द्र शुक्ला प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।

विडंबना: भिलाई निगम का कारनामा, पूर्व पार्षद की दबंगई से क्षेत्रवासियों में आक्रोश, की गई शिकायत

बच्चों व बुजुर्गों के मैदान को बना डाला कूड़ाघर

सेक्टर 6 सड़क 13 के मैदान से पूर्व में पेड़ों को काटने की शिकायत भी हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

शहर के विकास और नगरवासियों की सुविधाओं के लिए काम करने का दावा करने वाला भिलाई नगर निगम किस तरह बीएसपी टाउनशिप की नीट एंड क्लीन छवि को धूमिल कर रहा है, इसका ताजतरीन मामला सेक्टर 6 मैदान में देखने को मिल रहा है। वर्षों पुराने सड़क 13 मैदान में जगह जगह गड्ढे खोदकर कचरा डंप कर कूड़ाघर में तब्दील किया जा रहा है। इससे बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी के साथ आम लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है। इससे गुस्साए क्षेत्रवासियों ने विरोध कर निगम आयुक्त और कलेक्टर से शिकायत करने का ऐलान किया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के अवैध कार्य पर रोक लगाने के बाद भी इस साफ सुथरे मैदान को बर्बाद करने के पीछे वार्ड के पूर्व पार्षद व वर्तमान पार्षद की सनक और दबंगई बताई जा रही है। क्षेत्रवासियों ने निगम आयुक्त और बीएसपी के नगर सेवाएं अधिकारियों से जन हित के लिए तत्काल इस अवैध कार्य पर रोक लगाने की मांग की है।

पिछले हफ्तेभर से सेक्टर 6 में सेंट्रल एवेन्यू के किनारे सड़क 13 से लगा समतल और हरियाली वाला खेल मैदान गड्ठों से युक्त और ट्रेंचिंग ग्राउंड में तब्दील हो गया है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पूरे मैदान में 5,6 दिनों से पूर्व पार्षद सूर्यकांत सिन्हा और वर्तमान पार्षद सेवन ठाकुर द्वारा भिलाई निगम के डंफर और जेसीबी से कचरा डलवाया जा रहा है। जगह जगह बड़े गड्ठे खोदवा दिये हैं। इससे सड़क 13,11 व 12 आदि के लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है। महिलाओं वबच्चों को बस स्टाप छोड़ने चक्कर लगाना पड़ रहा है। मैदान बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं के खेलने व टहलने की जगह था, जो अब बर्बाद किया जा रहा है। सालभर पूर्व भी 2023 में यहां पूर्व पार्षद द्वारा जबरिया निगम से डोमशेड निर्माण कराने बाहरियों को इकट्ठा कर भूमिपूजन कराने का प्रयास किया गया था, जिसके जबरदस्त विरोध शिकायत पर बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे रुकवाया था। दूसरे दिन बीएसपी ने नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर पार्षद सेवन ठाकुर के इस अवैध कार्य पर नाराजगी जाहिर करते हुए इसे नियमविरुद्ध बताया था। क्षेत्रवासियों ने बताया कि मैदान में लगाए गए बादाम, नीम व आम आदि पेड़ कटवा दिए जिसकी भी शिकायत बीएसपी व वन विभाग से की गई थी।

बीएसपी ने नहीं दी एनओसी

सेक्टर 6 सड़क 13 मैदान में 3 साल के अंदर तीसरी बार अवैध कार्य को लेकर विरोध व विवाद हो रहा है। 2023 में डोम निर्माण के लिए जबरिया भूमिपूजन के विरोध के पूर्व 2020 में भी जब पहली बार पार्षद द्वारा जबरिया डोमशेड निर्माण का प्रयास किया गया तो शिकायत पर बीएसपी नगर सेवा विभाग ने 6 अक्टूबर 20 को निगम व विधायक को भी पत्र भेजकर बताया था कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के द्वारा जारी सुरक्षा अधिनियम के क्लाज 61 के तहत बिजली लाइनों के नीचे निर्माण कार्य करने के लिए सुरक्षा नियमों के कारण अनापत्ति पत्र दिया जाना संभव नहीं है। विभाग ने सूर्यकांत सिन्हा को भी 8 अप्रेल 23 को निर्माण कार्य रोक शिकायत पर बीएसपी ने यहां ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरने का कारण बताते हुए एनओसी देना संभव नहीं बताया था।

निगम व बीएसपी अवैध कार्य रोकें

“ पूर्व पार्षद सिन्हा व वर्तमान पार्षद सेवन ठाकुर द्वारा मैदान में निगम की गाड़ी से कचरा डलवाकर और गड्ढे खोदवाने से क्षेत्र के लोगों को आवाजाही, बच्चों के खेलने में परेशानी होगी। बीएसपी के स्वीकृति नहीं देने के बाद भी अवैध कार्य किया जा रहा है। मैदान के अवैध कार्य पर रोक लगाने निगम आयुक्त, बीएसपी व कलेक्टर से शिकायत करेंगे। पहले भी हाईटेंशन लाइन से दुर्घटना की आशंका के कारण बीएसपी ने यहां डोम निर्माण की अनुमति नहीं दी थी। उन्होने बताया कि मैदान को बर्बाद करने से महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है।

गजेंद्र सिंह, बुजुर्ग श्रमिक नेता

इसके पूर्व 10 अप्रेल को बीएसपी ने आयुक्त को भी पत्र भेजकर इसकी सूचना दी थी। तीसरी बार इस मैदान में कचरा डलवाकर व गड्ढे खोदकर बर्बाद किया जा रहा है।

केव्ही पॉलिटेक का आईएस 694 ग्रेड केबल के लिए प्रीफर्ड मेक में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

- केव्ही पॉलिटेक के लिए उपलब्धि

बीएसपी सेल द्वारा केव्ही पॉलिटेक को केबल्स में आईएस 694 ग्रेड' केबल के लिए प्रीफर्ड मेक में चयन किया गया है। केव्ही पॉलिटेक के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।अब सेल के सभी यूनिट केबल्स खरीदी में केव्ही पॉलिटेक को समाहित करेगा।

ग्रुप चेयरमैन केके झा ने कहा कि सभी पहलुओं को देखते हुए बीएसपी ने केव्ही पॉलिटेक द्वारा निर्मित केबल्स का चयन किया है। श्री झा ने बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज अनिर्वान दासगुप्ता एवं प्रबंधन के उच्च अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रबंधन द्वारा एमएसएमई यूनिट को आगे बढ़ाने एक और पहल की गई है। यह उपलब्धि हमारे लिए,स्टाफ के लिए और भिलाई के लिए गौरव की बात है।

इस अवसर पर केव्ही पॉलिटेक के डायरेक्टर निश्चय झा, आईएसओ कंसलटेंट संदीप अग्रवाल, लीगल एडवाइजर एडवोकेट रणजीत मिश्रा, फाइनेंस एडवाइजर सीए प्रियेश लेखवानी, टेक्निकल एडवाइजर इंजीनियर रामजी देवांगन, मार्केटिंग हेड थनेश शर्मा, पीआरओ रवि शर्मा सहित स्टाफ के जितेंद्र पटले, दिनेशचंद चक्रवर्ती, नारायण एडे, श्यामलाल, भुवनेश्वर सोनवाने, शशि आदि उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं ने किया रुद्राभिषेक

अंडा। भगवान शिव के अति प्रिय सावन माह में भक्ति भाव का सिलसिला निरंतर जारी है, जहां भक्त अपने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग तरीकों से आराधना करते नजर आ रहे हैं। वहीं कथावाचक प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर घरों में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। सावन माह में भगवान शिव की पूजा अर्चना का विशेष महत्व होता है, तो वहीं सावन माह में आने वाली महाशिवरात्रि पर इस बार कई संयोग बने। यही कारण रहा कि क्षेत्र के हजारों भक्तों ने घरों में रुद्राभिषेक किया। भक्त इस धार्मिक अनुष्ठान को करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे थे। शाम 7 बजे शुरू हुआ यह रुद्राभिषेक 8 बजे तक चला। इस दौरान लोगों ने टीवी और मोबाइल के माध्यम से पूजन देखकर अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक किया। यह पहला ऐसा मौका था, जब इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों ने अपने-अपने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर घरों में किसी धार्मिक अनुष्ठान किया। रुद्राभिषेक के लिए भक्तों ने सुबह से ही तैयारियां शुरू कर दी थी, जहां इस धार्मिक अनुष्ठान के लिए पूजन सामग्री लेने श्रद्धालु बाजार पहुंचे, तो वहीं पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भी किया।

सेल अधिकारियों के 11 माह के पर्क्स एरियर्स भुगतान का मार्ग हुआ प्रशस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

- मंत्रालय ने दी हरी झंडी
- सेफी के प्रयास से तत्कालीन 15000 अधिकारी होंगे लाभांवित

15 वर्षों से लंबित सेल के अधिकारियों को 11 माह के लंबित पर्क्स के एरियर्स भुगतान का रास्ता साफ हुआ है। इस्पात मंत्रालय ने इसके लिए हरी झंडी दे दी है। इससे 15 हजार अधिकारी लाभान्वित होंगे। सेफी ने कैट और कोलकाता हाईकोर्ट में लंबी लड़ाई लड़ी और उसमें सेल अधिकारियों के पक्ष में फैसला हासिल हुआ परंतु इस पर्क्स एरियर्स का भुगतान अब तक प्राप्त नहीं हुआ ।

श्री बंछोर के नेतृत्व में सेफी के लंबे संघर्ष का लाभ अधिकारियों को मिलेगा। श्री बंछोर ने बताया कि इस भुगतान के लिए सेफी ने पुनः इस्पात मंत्रलय एवं डीपीई का दरवाजा खटखटाया। इस हेतु सेफी ने निरंतर पत्र व्यवहार व केन्द्रीय मंत्रियों व सचिवों से मिलकर भुगतान की मांग रखी। वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइसेस के अनुमोदन बाद इस्पात मंत्रलय ने 11 माह के लंबित पर्क्स के एरियर्स भुगतान को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस प्रकार 15 वर्षों से लंबित सेल के अधिकारियों का 11 माह के पर्क्स के एरियर्स भुगतान का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

बीएसपी के चार हजार अधिकारियों को होगा लाभ

श्री बंछोर ने इसकी स्वीकृति के लिए इस्पात मंत्रालय, डीपीई, उद्योग मंत्री, राज्यमंत्री और सचिवों का आभार जताया है। बताया की सेल के लगभग 15000 तत्कालीन कार्यपालक, जो 26 नवंबर 2008 से 04 अक्टूबर 2009 के बीच सेवारत थे । इसमें बीएसपी के 4000 तत्कालीन कार्यपालक भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि एरियर्स भुगतान के लिए हमने 15 साल संघर्ष किया।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज पाटन राज ने मनाई खूबचंद बघेल जयंती

मनवा कुर्मी समाज पाटन राज ने बेटी की पढ़ाई के लिए बढ़ाया हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶। पाटन

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के तत्वावधान में आयोजित खूबचंद बघेल जयंती के अवसर पर धूमा निवासी कामिनी वर्मा के आगे की पढ़ाई के लिए समाज के लोगों ने आर्थिक मदद कर हौसला बढ़ाया। पाटन राज प्रधान युगल किशोर आडिल ने बताया कि कामिनी वर्मा के पिता ललित वर्मा के देहावसान होने के बाद उनके परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी उनकी माता चंपा देवी के कंधों में आ गई। ग्रेजुएशन के बाद कामिनी वर्मा सीजीपीएससी की तैयारी करना चाह रही थी, लेकिन आर्थिक हालात आड़े आ रहा था बालिका समूह की प्रमुख काजल वर्मा ने कामिनी वर्मा के आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग करने के लिए पहल किया था। आडिल ने बताया कि मनवा कुर्मी समाज पूर्व में भी समाज और अन्य समाज के लोगों के जरूरतमंद लोगों की पढ़ाई, इलाज या शादी में आर्थिक सहयोग करते आया है। मनवा कुर्मी समाज जरूरतमंद परिवार के साथ हमेशा कंधे से कंधे मिलाकर खड़ा है।

आर्थिक विपन्नता किसी भी तरह से समाज के बेटा बेटी के आगे बढ़ाने में बाधा नहीं बन सकती पूरा मनवा कुर्मी समाज उनके साथ खड़ा है कामिनी वर्मा की पढ़ाई के लिए जितेश वर्मा द्वारा अपनी प्रथम पुत्री रत्न की प्राप्ति के शुभ अवसर पर 10000 और युवा अध्यक्ष राकेश आडिल, महिला अध्यक्ष रंजना वर्मा, वर्मा बोरवेल, प्रेम वर्मा, राज प्रधान युगल किशोर आडिल द्वारा 4000 आर्थिक सहयोग कर मनोबल बढ़ाया। खूबचंद बघेल जयंती में उपस्थित पूर्व मुख्यमंत्री व मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज भूपेश बघेल, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सीताराम वर्मा, केंद्रीय महिला अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्ग जितेंद्र वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप और पूर्व राज प्रधान जवाहर वर्मा के हाथों 14000 रुपए का आर्थिक सहयोग कामिनी वर्मा को आगे की पढ़ाई के लिए भेंट किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों ने इस नेक कार्य के लिए आर्थिक सहयोग करने वाले का धन्यवाद ज्ञापित किया। राज प्रधान पाटन राज युगल किशोर आडिल ने कार्यक्रम में सभी सामाजिक लोगों से अपील किया की समाज में जरूरतमंद लोगों के दुख-सुख में हमें बराबर भागीदार बनना चाहिए ताकि हमारा समाज शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में संगठित होकर आगे बढ़ते रहे।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, सोमवार 5 अगस्त 2024

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

74154-69100, Message at - 9755819129

02

हरेली का स्वागत भजन-कीर्तन से, गुहाराज निषाद की भी पूजा

लाइव इवेंट

फ्रेंडशिप डे : अपने पुराने मित्रों के साथ सेलिब्रेट किया

- रविवार को मित्रता दिवस पर कार्यक्रम
- पुराने कलाकार मित्रों के साथ बिताए पल याद किए

भिलाई। रविवार को मित्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुराने दोस्तों से मुलाकात कर अपने विचार रखे। समाजसेवी प्रशांत क्षीरसागर ने कहा कि हर साल अगस्त के पहले रविवार को भारत में मनाया मित्रता दिवस मनाया जाता है। वैसे तो पूरी दुनिया फ्रेंडशिप डे मनाती है, लेकिन हर देश में इसकी तिथि अलग-अलग हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने 30 जुलाई को फ्रेंडशिप डे मनाने की आधिकारिक तिथि निर्धारित है। भारत में फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाया जाता है। 30 जुलाई 1958 को पराग्वे में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस का पहला उत्सव मनाया गया। इस दिन को संघर्ष से मित्रता के नाम समर्पित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2011 में आधिकारिक तौर पर 30 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के रूप में घोषित किया।

क्षीरसागर अपने विचार साझा करते हुए बताया इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रेम सम्मान एकता भाईचारे की भावना कला. संस्कृति और व्यक्ति के बीच दोस्ती को संजोना है। ताकि शांति प्रयास को प्रेरित कर सकें। समुदाय परिवार के बीच एकता का कुल निर्माण कर सके। मित्रता दिवस पर कलाकार भुवनेश साहू, संजय तेलंग, गोविंद विश्वकर्मा, विनोद जानी, अंजली ठाकुर, हेमा शुक्ला, भानुमति सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

अंतरिक्ष दिवस : गर्ल्स की साइंस और मेथ्स में रूचि बढ़ाने जरूरत

भिलाई। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस और विज्ञान ज्योति कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। देश के प्रधानमंत्री ने देश के स्कूली बच्चों के बीच अंतरिक्ष अन्वेषण और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) के बारे में वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने पहले की है। निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश के नेतृत्व में आईआईटी भिलाई छत्तीसगढ़ क्षेत्र में एसटीईएम क्षेत्रों जैसे अंतरिक्ष विज्ञान में गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। आईआईटी भिलाई ने जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई के 50 छात्रों को अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारी दी। इस दौरान विशेष रूप से लड़कियों को साइंस, मैथ्स, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षक तंद्रा धर के नेतृत्व में स्कूली बच्चों की टीम आईआईटी कैम्पस पहुंची। डीएसटी द्वारा वित्त पोषित विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य लड़कियों की विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) के क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद महबूब आलम, खगोल विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डॉ. महावीर शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद स्कूल के छात्रों और विज्ञान ज्योति विद्वानों ने आईआईटी भिलाई के बीटेक छात्रों के साथ बातचीत की। आईआईटी-जेईई और आईआईटी भिलाई में छात्र जीवन से संबंधित कई सवाल पूछे।

आईआईटी के एक्सपर्ट्स ने अंतरिक्ष विज्ञान को समझाया, जानकारी भी दी

इस अवसर पर विज्ञान ज्योति विद्वानों को आईआईटी भिलाई के स्पेस एक्सप्लोरेशन सोसाइटी(एसईएस) के सदस्यों द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान से परिचित कराया गया। स्कूल के छात्रों और विज्ञान ज्योति विद्वानों के लिए भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, इसरो और चंद्रयान की उपलब्धियों पर एक शैक्षिक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसके बाद छात्रों को दूरबीनों पर व्यावहारिक अनुभव दिया गया। अंतरिक्ष अवलोकनों से परिचित कराया गया। छात्रों ने आईआईटी भिलाई के विभिन्न प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया, जहां उन्होंने एनएमआर, टीईएम और लिथोग्राफी जैसे उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों के बारे में जाना। डॉ. आलम और डॉ. शर्मा ने इस तरह के कार्यक्रमों की महत्ता और सफलता को विद्यार्थियों को एसटीईएम क्षेत्रों जैसे अंतरिक्ष विज्ञान की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण बताया।

● शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग आयोजन, पूर्व सीएम भूपेश, सांसद विजय हुए शामिल

जोहार हो संगी... झिमिर झिमिर पानी गिरे...नागर बैला धुलागे...जैसे गीतों के साथ गेड़ी चढ़ हरेली का स्वागत

छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हरेली रविवार को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास में हरेली को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परंपरागत तरीके से त्योहार का लुत्फ उठाया गया। ग्रामीम क्षेत्र में किसान हल-खुरपी में नजर आए। गेड़ी में चढ़कर लोगों ने त्योहार का स्वागत किया। गांवों में जोहार हो संगी आगे आगे हरेली, झिमिर झिमिर पानी गिरे, सावन महीने हो बियासी, नागर बैला धुलागे जैसे गीत सुनाई पड़े। किसानों ने परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना की। मुख्य रूप से खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा की गई। घरों में माटी पूजन किया गया।

भिलाई। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते नजर आए। शहरों में सांसद विजय बघेल, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, पूर्व मंत्री रुद्र कुमार सहित अन्य गेड़ी पर चढ़े। ग्रामीणों ने बताया कि गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। गांव में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें लोकगीत, नृत्य, कबड्डी, फुगड़ी जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। भिलाई के वैशालीनगर में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। करमा, राउत नाचा के सुंदर गीतों और लयबद्ध नृत्य के साथ आयोजन की शुरूआत की गई। खेलों में डंडा, भौंरा, बांटी जैसे खेल हुए। पूजा-पाठ और उपवास के साथ ही हर घर के बाहर नीम की डाल लगाने की परंपरा भी निभाई गई है। लोक कलाकार पारंपरिक ड्रेस पहनकर वाद्य यंत्रों पर फोक डांस करते नजर आए। करमा, सुआ, पंथी, राऊत नाचा, गौरा-गौरी, गतका और बैल गाड़ी को झांकी भी कुछ जगहों पर देखने को मिली। दावा किया जा रहा है कि जिले में 80 प्रतिशत से ज्यादा किसान रोपा लगाने का काम पूरा कर चुके हैं। इस बार उन्हें अच्छी फसल की आस है।

अहिवारा में हरेली उत्सव पूर्व मंत्री रूद्र गुरु हुए शामिल

जन जागरण समिति एवं युवा गणेश उत्सव समिति के संयोजक टोनू देवांगन द्वारा अहिवारा में हरेली उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में पूर्व मंत्री गुरु रूद्र कुमार प्रमुख रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ कर पौधरोपण किया गया। छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण कर छत्तीसगढ़ी राज गीत के बाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश सिंह ठाकुर ने विकास कार्यों से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन संजय देशालहरे ने कियया। इस अवसर पर कबड्डी, कुर्सी दौड़, गोली चम्मच दौड़ के अलावा विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताएं हहुईं।

गेड़ चढ़ सांसद और वैशालीनगर विधायक ने दी बधाई, एक हजार से ज्यादा गेड़ियां बांटी

हरेली पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाएं हरे रंग के ड्रेस कोड में नजर आईं। हरा रंग हरियाली का प्रतीक है, हरेली त्यौहार हरियाली को दर्शाता है। इस मौके पर सांसद बघेल और विधायक रिकेश ने गेड़ी पर चढ़ हरेली त्यौहार का आनंद लिया। इस अवसर पर सुआ नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर टिकेश्वरी जंघेल ने नृत्य प्रस्तुत किया। रिकेश सेन ने कहा कि आज से छत्तीसगढ़ में त्यौहारों की शुरुआत हो गई है, आने वाले दिनों में राखी, तीजा सहित अन्य सभी त्यौहार धूमधाम से मनाया जाएगा। आज हरेली त्यौहार वैशाली नगर विधान सभा क्षेत्र के सभी वार्डों में पारंपरिक ढंग से सुबह से उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि वैशालीनगर क्षेत्र में 1 हजार गेड़ी का वितरण किया गया है। कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष महेश वर्मा, योगेंद्र सिंह, मिथिला खिचरिया, पुरूषोत्तम देवांगन, विनोद सिंह, विजय जायसवाल, उपासना साहू, प्रमोद सिंह आदि मौजूद थे।

आर्टकॉम ने हरेली के उपलक्ष्य में कुरूद स्थित मंदिर के आसपास पौधे रोपे।

हरेली पर ऑक्सीजोन एनवायरमेंट नें रोपे पौधे

हरेली और मित्रता दिवस पर ऑक्सीजोन एनवायरमेंट सोसायटी के सभी सदस्यों ने आशा नगर दुर्ग में वृक्षारोपण किया। इस दौरान नीम, कदम, बादाम, आम, अशोक, बेल इत्यादि के पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में अनिल कुमार देवांगन, अंचल यादव, लक्की अग्रवाल, रोहित देवांगन, मनीष साहू, शरद साहू, नेहा त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद थे।

खोपली में पौधारोपण, सहेजने संकल्प

भिलाई। वृहत्ताकार सहकारी समिति उतई के धान उपार्जन उपकेन्द्र खोपली में पौधे रोपे गए। आयोजन में सरपंच खोपली मुख्य अतिथि थे। इस दौरान फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इसमें प्रमुख रूप से आम, कटहल, करोंदा, कदम, करन जामुन, करंज, बोहार, नीलगीरी के 300 से ज्यादा पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में भाजपा के मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा, रूपनारायण शर्मा, माधो साहू, राजू साहू, रामकिसुन चंद्राकर, सतीश पारख, पुरानिक साहू, संतोष वर्मा सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

डॉ. दीक्षित का प्रगति भवन में मधुमेह पर व्याख्यान आज

भिलाई। ओए-बीएसपी द्वारा बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रख्यात चिकित्सक डॉ. जगन्नाथ दीक्षित का व्याख्यान 5 अगस्त को आयोजित किया गया है। डॉ. दीक्षित भारत के प्रसिद्ध चिकित्सक हैं, जिन्होंने फीट इंडिया मुहिम के दौरान भारत के सभी सांसदों एवं मुख्य सचिवों को फिटनेश का मंत्र दिया। इनकी संस्था ऐडोर विश्व के 40 देशों में मधुमेह और मोटापे के विरुद्ध मुहिम चला रही है। डॉ. दीक्षित को तीन राष्ट्रीय सम्मान एवं पांच प्रादेशिक सम्मान मिल चुका है। उनके द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में दो किताबें नर्सिंग के विषय पर एक किताब तथा 63 रिसर्च आर्टिकल्स प्रकाशित हो चुके हैं। वे महाराष्ट्र शासन के द्वारा मोटापे के विरुद्ध कैम्पेन के ब्रांड एम्बेसडर हैं। सेमीनार आफिसर्स एसोसिएशन द्वारा प्रगति भवन में 5 अगस्त को शाम 6 बजे तक आयोजित किया गया है।

सेक्टर-9 स्किन बैंक, नवदृष्टि फाउंडेशन, एमआर एसो., आईएमए का आयोजन

नेशनल आर्गन डे पर डॉक्टर्स ने निकाली रैली, लोगों को ज्यादा से ज्यादा अंगदान के लिए किया प्रेरित

कॉर्नर न्यूज

भिलाई। नेशनल आर्गन डे के उपलक्ष्य में दादा-दादी नाना-नानी पार्क सिविल लाइन से डॉक्टरों ने जागरूकता रैली निकाली। सेक्टर-9 हॉस्पिटल के स्किन बैंक, नवदृष्टि फाउंडेशन, एमआर एसोसिएशन, आईएमए दुर्ग और महाराष्ट्र मंडल के सहयोग से यह रैली निकाली गई। रैली में शहर के सभी प्रमुख डॉक्टर शामिल हुए। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा अंगदान के लिए लोगों को प्रेरित किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जो जठार क्लब में समाप्त हुई।

रिसर्च के लिए शवों की कमी, इसलिए अंगदान जरूरी

इस अवसर पर डॉ. पाटणकर ने कहा कि देश में रिसर्च के लिए शवों की भारी कमी है। इसके अलावा डॉक्टरों की भी पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। ऐसे में लोगों को आगे आकर अंगदान करना चाहिए। ताकि अधिक से अधिक प्रयोग हों, और लोगों को उपचार मिल सके। सामान्य तौर पर आर्गन डे 3 अगस्त को मनाया जाता है, लेकिन हमने रविवार को इसे लेकर जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान शहर के सभी प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद थे। इस अवसर पर हमने नेत्रदान, देहदान, रक्तदान, अंगदान करने वाली संस्थाओं और लोगों को सम्मानित किया। इस अवसर पर नेत्रदान, रक्तदान, देहदान, अंगदान करने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। आयोजन में डॉ. शरद पाटणकर, डॉ. अजय गोवर्धन, डॉ. नेमी चोपड़ा, डॉ. ज्योति अग्रवाल, एमआर एसोसिएशन से संतोष सोनी, डॉ. कोशलेंद्र ठाकुर, गौतम पिंचा, डॉ. रवि शुक्ला, डॉ. शैलेंद्र जैन, नवदृष्टि फाउंडेशन से राज अड़तिया, महाराष्ट्र मंडल में अजय जाधव आदि मौजूद थे।

तीन संस्थाएं इस क्षेत्र में कर रही काम, सम्मानित भी किया

डॉ. गोवर्धन ने बताया कि शहर में इस समय तीन संस्थाएं इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इसमें नवदृष्ठि, सेक्टर-9 हॉस्पिटल का स्किन बैंक और आरोग्यम हॉस्पिटन प्रमुख है। इन संस्थाओं द्वारा लगातार लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा दान के लिए आगे आने वाले लोगों को सहयोग भी किया जा रहा है। महाराष्ट्र मंडल द्वारा भी इस दिशा में काम शुरू किया गया है। आईएमए के डॉक्टर्स भी इसके लिए सेवाएं दे रहे हैं। सामूहिक प्रयासों से ही यह संभव हो पाएगा।

डॉ. अग्रवाल को रिसर्च के लिए आयुष ने नियुक्त

डॉ. ज्योति अग्रवाल ने बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा उन्हें विश्व स्तर पर रिसर्च के लिए नियुक्त किया है। मैंने खुद अपने अंगदान की घोषणा पहले ही किया है। ताकि मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए मेरा शरीर रिसर्च के काम आ सके। इसके अलावा मैं अपनी पूरी टीम के साथ इस दिशा में काम कर रही हैं। मैं हर छह महीने में एक बार रक्तदान भी कर रही हूं। हमारे देश में डॉक्टरों की भारी कमी है। इसे दूर करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर तैयार करने हैं। उन्हें एक्सपर्ट बनाना है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, डॉक्टर्स इस भावना के साथ काम कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

वैशालीनगर स्कूल की आस्था कश्यप के मॉडल ने बाजी मारी

■ जगदलपुर में राज्य स्तरीय आयोजन

भिलाई। जगदलपुर में पिछले दिनों राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिमी भारत विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। आयोजन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वैशाली नगर की छात्रा आस्था कश्यप के प्लांट वाटरिंग सिस्टम मॉडल ने बाजी मारी। मॉडल दूसरे स्थान पर रहा, लेकिन इसकी प्रशंसा सबसे ज्यादा रही। मॉडल तैयार करने में व्याख्याता रितु हांडा ने छात्रा का सहयोग किया। उन्होंने बताया कि इस मॉडल की सभी ने तारीफ की। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक बड़ा उदाहरण रहा। इधर विज्ञान प्रश्नोत्तरी में रीना साव और अंजलि सेन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। शाला की व्याख्याता सी. बेबी सरकार और भावना शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रश्नोत्तरी को लेकर छात्राओं ने तैयारी की थी। प्राचार्य संगीता सिंह बघेल ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

सिटी लाइव

चेंबर की मुहिम आभार दिल से व्यापारियों की समस्या सुन रहे

■ आकाशगंगा, घड़ी चौक, सुपेला मार्केट, पॉवर हाउस मार्केट पहुंचे पदाधिकारी

भिलाई। छग चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा आभार दिल से अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों व्यापारियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। पूर्व में बताई गई समस्या के निराकरण से जुड़ी जानकारी भी दे रहे हैं। संगठन के महामंत्री अजय भसीन स्यवं समस्या के समाधान पर चर्चा कर रहे हैं। रविवार को पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल सब्जी मंडी सुपेला और सेक्टर 6 ए मार्केट पहुंचा। जहां सफल 3 वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। सब्जी मंडी सुपेला में अरविंद गुप्ता ने कहा कि भिलाई से प्रतिदिन रायपुर जाकर चेम्बर के कार्यों को व्यापरियों के हित के लिए करना प्रशंसनीय है। व्यापरियों की जागरूकता के लिए और व्यापरियों के सम्मान के लिए सतत क्रियाशील रहने का काम चेंबर पदाधिकारियों ने किया है। आभार यात्रा में व्यापरियों ने बाजार की सुविधाओं पर भी ध्यान केंद्रित कराया। मुख्य रूप से सब्जी मंडी में सफाई, शौचालय व पार्किंग की समस्या से अवगत कराकर समाधान की अपेक्षा रखी। इस अवसर पर गारगी शंकर मिश्रा, चिन्ना राव, विनय सिंग, प्रेम रतन गहलोत, सुनील मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे। चेंबर का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

समाज इवेंट

हरेली का स्वागत भजन-कीर्तन से, गुहाराज निषाद की भी पूजा

■ निषाद (केवट) समाज महिला प्रकोष्ठ का आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़ निषाद (केवट) समाज भिलाई परिक्षेत्र महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरेली उत्सव का स्वागत भजन-कीर्तन से किया। केन्द्रीय कार्यालय छात्रावास निषाद भवन कोहका में महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देव गुहा निषाद राज की पूजा-अर्चना से की गई। इस अवसर पर भगवान राम की भी पूजा की गई। इसके बाद भजन मंडली ने भजन-कीर्तन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष संतोषी निषाद प्रमुख रूप से मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम के सखा गंगा पार करने वाला नथ्था केवट थे। आज उनके नाम से निषाद समाज आगे बढ़ा है। भगवान उनके सखा थे। इसलिए निषाद समाज भी भगवान राम को पूजता है। उन्होंने सिंघेश्वर के राजा गुहा निषाद राज के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरेली का त्योहार छत्तीसगढ़ का एक महत्वपूर्ण और प्राचीन त्योहार है। ग्रामीण परिवेश में सबसे ज्यादा इसे मनाया जाता है। हरेली शब्द का अर्थ हरियाली से है। परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने के लिए हरेली एक महत्वपूर्ण त्योहार है। इस त्योहार के माध्यम से लोग अपने धरोहर और पूर्वजों की परंपरा को संजोए रखते हैं। इस अवसर पर रामप्यारी निषाद, सत्यभामा निषाद, डेकेश्वरी निषाद, धरमबंती निषाद, चंचल निषाद, पूर्णिमा निषाद, देविका निषाद, नूतन निषाद सहित अन्य मौजूद थे।

● श्रद्धालु नाग प्रतिमाओं व चित्रों की करेंगे आराधना, घरों में बनेगी खीर-पूड़ी व गुलगुला भजिया

शुभदायी नागपंचमी 9 को... शिव, सिद्ध, साध्य व हस्त नक्षत्र योग में होगी नाग देवता की पूजा

भिलाई। नागपंचमी 9 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन सनातन धर्म के लोग नाग देवता को श्रद्धा भाव से पूजा कर सुख-समृद्धि खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है। कई सालों से सपेरों के लेकर शहर में घूमने पर प्रतिबंध श्रद्धालु मंदिरों में और घरों पर नाग प्रतिमाओं व उनके चित्रों की पूजा-आराधना करेंगे। सावन माह के चलते पूजा के लिए सर्वाधिक भीड़ शिव मंदिरों में ही रहेगी। इस ढोल-नगाड़े के बीच अखाड़े की भी परंपरा है। नागपंचमी पर अन्य समाजों में भी नाग देवता को कुल देव के रूप में ही पूजे की परंपरा है। कई अन्य समाजों द्वारा भी नाग को देवता मानकर विशेष पूजा की जाती है। इस दिन खीर-पूड़ी के साथ गुलगुला भजिया का प्रसाद बनाकर नाग देवता को चढ़ाया जाता है। माना जाता है कि इससे कुल देवता प्रसन्न होते हैं। खास बात यह है कि इस बार शिव, सिद्ध साध्य बालकरण योग व हस्त नक्षत्र रहेगा, जो अयंत शुभदायी माना गया है। इस दिन पूजा-अर्चना से हर मनोकामना पूर्ण होती है। इसके कारण यह दिन खास माना जा रहा है। लंबे समय बाद इस प्रकार का योग बन रहा है। इस योग में नाग पूजा से शिव होते हैं।

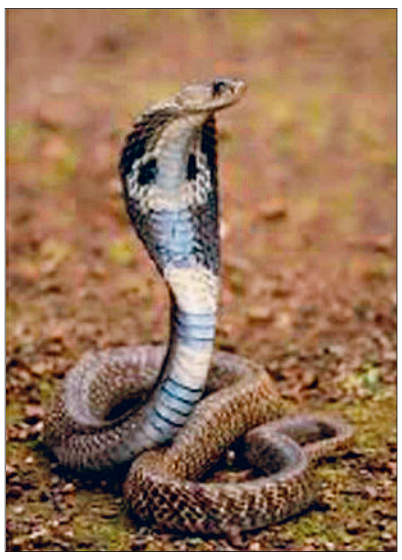

सावन माह के चलते शिव व साध्य योग बहुत खास

ज्योतिषाचार्य पं. लाखेश्वर पांडेय बताते हैं कि इस योग में गई नाग पूजा सीधे भगवान शिव की पूजा के समान है। इससे भगवान शिव भी प्रसन्न होते हैं। सनातन धर्म में कई समाजों में नाग देवता को कुल देवता के रूप में पूजा जाता है। इस दिन दूध, गुड़ के पकवान बनाए जाते हैं। घरों में नाग-नागिन की आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है। मारवाड़ी, अग्रवाल, ब्राह्मण समाजों में यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

कालसर्प दोष पूजन का भी योग

पंडितों की मानें तो इस दिन कालसर्प दोष की भी पूजा कराई जाती है। यह कार्य पितरों के निर्मित तर्पण या धार्मिक स्थलों पर जाकर कराया जाता है। इस दिन कालसर्प दोष पूजन का अपना महत्व है। मान्यता है कि इस दिन लोग भगवान शिव पर चांदी, पीतल व तांबे आदि से बने नाग-नागिन के जोड़े की छोटी-छोटी प्रतिमाएं चढ़ाते हैं। इससे उनके जीवन के कष्ट दूर होते हैं। इसके अलावा जो कोई भी बाधा ग्रह, नक्षत्रों की वजह से होती है, वह दूर होती है। इसलिए इस दिन का अपना एक अलग महत्व है। इसलिए इस दिन को लेकर भक्तों में खासा उत्साह है।

पहलवान निकालेंगे शोभायात्रा, अखाड़ा का आयोजन, दुर्ग-भिलाई में तैयारी शुरू

इस दिन पहलवानों द्वारा ढोल-नगाड़े के बीच शोभायात्रा निकालेंगे। दुर्ग में बैगापारा स्थित हनुमान व्यायाम शाला से अखाड़ा निकाला जाना है। प्रतिवर्ष नागपंचमी के दिन यहां आयोजन होता है। अखाड़े के पहलवान आकर्षक कलाबाजियां दिखाते हैं। मुख्य रूप से तलवार बाजी, डंडा भांजना, मुग्दर घुमाना जैसी कलाबाजियों का प्रदर्शन किया जाता है। इस बार भी आयोजन की तैयारी की गई है। इसके अलावा भी शहर के कुछ हनुमान मंदिरों में नागपंचमी के दिन विशेष पूजा और शोभायात्रा निकालने की तैयारी की गई है।

हरेली के साथ छत्तीसगढ़ी त्योहार शुरू

रविवार को हरेली के साथ ही छत्तीसगढ़ी त्योहारों की शुरूआत हो गई है। आगामी दिनों में हलषष्ठी, तीजा, पोला, जन्माष्टमी सहित अन्य आयोजन होने हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में त्योहारों को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। शासन के निर्देश के बाद कुछ त्योहारों को लेकर स्कूलों में भी आयोजन की तैयारी है। आगामी दो महीनों तक लगातार त्योहार होंगे। इसके बाद पितृपक्ष के बाद एक बार पुनः त्योहारों का सीजन शुरू होगा।

19 अगस्त को रक्षाबंधन दोपहर बाद मुहूर्त

22 जुलाई सोमवार को श्रावण मास का शुभारंभ हुआ। 19 अगस्त सोमवार को रक्षाबंधन के साथ सावन महीने का समापन होना है। रक्षाबंधन के दिन दोपहर बाद से राखी बांधी जा सकेगी। इस दिन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रहेगी, जो अत्यंत शुभ होती है। इस दिन शोभन योग रहेगा। इस बार अनूठा संयोग यह है कि सावन महीने की शुरुआत सोमवार से हो रही है, वहीं समापन भी सोमवार को ही होना है। इस बार पहला सावन सोमवार 22 जुलाई को पड़ा। दूसरा 29 जुलाई, तीसरा 5 अगस्त, चौथा 12 अगस्त और पांचवां 19 अगस्त को पड़ेगा। 19 अगस्त को सूर्योदय से शाम 7:30 तक शोभन योग व पूर्णिमा तिथि है। 7 अगस्त से सावन माह में ही श्रीकृष्ण की भक्ति भी शुरू हो जाएगी। इस दिन हरियाली तीज से मंदिरों में झूले लगना शुरू होंगे।

रक्षा बंधन के शुभ मुहूर्त दोपहर 2:06 से रात 8:09 तक

ज्योतिषाचार्य पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन के दिन दोपहर 2:06 बजे से रात 8:09 बजे तक राखी बांधने का मुहूर्त हैं। इसी दिन ब्राह्मण वर्ग वर्ष पर्यंत किए गए पापों के प्रायश्चित के लिए दशविध स्नान, नूतन यज्ञोपवित धारण और श्रावणी कर्म करेंगे। इस दिन सिर्फ बहने ही नहीं अपितु गुरु, शिष्य भी परस्पर रक्षा के भाव से रक्षा सूत्र का बंधन करते हैं। रक्षाबंधन के दिन यह भी खास ज्योतिषियों के मुताबिक रक्षाबंधन के दिन श्रवण नक्षत्र से सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है।

संकल्प...

बरगद व पीपल के पौधे रोपे कहा-ये ज्यादा देते हैं ऑक्सीन

दुर्ग। हरियाली अमावस्या के दिन रविवार को बंशी विहार बोरसी स्थित तालाब पार और इसके आसपास बरगत, पीपल, नीम, शमी सहित अन्य फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। पर्यावरण प्रेमी, जेआरडी स्कूल से सेनानिवृत्त प्राचार्या विद्या नायडू के प्रयाासों से ये पौधे रोपे गए। पौधों को सहेजने के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। नायडू ने कहा कि वर्तमान समय में बरगत, नीम, पीपल जैसे पौधे रोपा जाना आवश्यक है। ये ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ज्यादा ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो हमारी जरुरत है। वर्तमान समय में प्रदूषण बढ़ा है। ऐसे समय में ये पेड़ हमारे लिए जीवन दायिनी का काम करेंगे। उन्होंने राज्य शासन से भी मांग की है कि वे बरगत, पीपल जैसे पौधे लगाए जाने के लिए प्रेरित करें। कृषि वैज्ञानिकों ने भी यह सिद्ध कर दिया है कि बरगत और पीपल ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं। पौधरोपण अभियान के दौरान संजय नायडू, जयश्री, जयेश नायडू, संस्कृति, एक्साइज विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी डी बरुआ, ट्रेजरी अफसर खम्हन गोआर्य, रामदास बोरकर, राजेश्वरी गेडाम सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। नायडू ने कहा कि बारिश के दिनों में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए जाने चाहिए। इस समय पौधों को जमने में आसानी होती है। पानी और खाद की बहुत अधिक आवश्यकता नहीं होती।

■ बोरसी तालाब के आसपास पौधे रोपकर सहेजने का लिया संकल्प

आयोजन की तैयारी

कांवड़ यात्रा 12 को, देवेंद्र करेंगे देवबलौदा में जलाभिषेक

भिलाई। हर साल की तरह इस वर्ष भी जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। 12 अगस्त की सुबह 6 बजे भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शिवनाथ नदी में स्नान कर अपने कांवड़ में शिवनाथ नदी का जल भरकर हर यात्रा में रवाना होंगे। वे पैदाल देवबलोदा प्राचीन शिव मंदिर पहुंचेंगे। देव बलोदा के प्राचीन मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। इस भव्य आयोजन में शामिल होने और भक्तों की सेवा और स्वागत के लिए शहर के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धजीवी वर्ग सभी अपना वीडिया शेयर करके लोगों से अपील कर रहे हैं।

जय हनुमान सेवा वाहिनी निकालेगी कांवड़ यात्रा

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि शिवनाथ नदी से जल लेकर प्राचीन मंदिर देवबलोदा पहुंचेंगे। जहां सभी भक्त पूजा अर्चना करेंगे। सभी भिलाईवासियों से अनुरोध है कि इस यात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएं। सभी कावड़ियों के लिए कावड़ और कलश की व्यवस्था रहेगी। जिनके पास सुविधा है, वे अपने साथ कावड़ और ध्वज खुद भी लेकर आ सकते हैं।

टेढ़े-मेढ़े दांतों को सुधार जा सकता है: डॉ. हमदानी

भिलाई। पिछले 11 वर्षों से भिलाई में अभ्यास कर रहे ऑर्थोडॉन्टिस्ट और क्लीयर एलाइगर विशेषज्ञ डॉ. शाहीन हमदानी ने बताया की एक अत्याधुनिक ऑथोंडॉन्टिक उपचार सामने आया है, जो मेटल ब्रेसिज के बिना दांतों को सीधा करने के लिए क्लीयर एलाइनर का उपयोग करता है। इनविनलाइन के साथ मरीज पारंपरिक ब्रेसिज की परेशानी के बिना एक आत्मविश्वास भरी मुस्कान प्राप्त कर सकते हैं। ये इलाज थोड़ा महंगा जरूर है, लेकिन आराम दायक और बेहतर है। डॉ. हमदानी ने बताया कि हम सटीक एलाइनर बनाने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करते हैं, जो दाँतों को धीरे क वांछित स्थिति में ले जाते हैं। इस प्रकार की किसी भी समस्या के लिए चिकित्सकीय सलाह लेकर इलाज करया जा सकता है।

तकनीकी कोर्स में एडमिशन के लिए शेड्यूल जारी, प्रक्रिया भी शुरू

बीटेक, एमटेक व एमबीए की काउंसिलिंग 7 से पॉलीटेक्निक और एमसीए की 12 से शुरू होगी

कार्नर न्यूज

भिलाई। प्रदेश के तकनीकी कॉलेजों में शिक्षा स्त्र 2024-25 के अनुसार प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। इस बार बीटेक, एमटेक और एमबीए की पहले चरण की काउंसिलिंग के लिए आवेदन 7 अगस्त से लिए जाएंगे। पहली आवंटन लिस्ट 14 अगस्त को जारी होगी। जबकि इसके अनुसार इन तीनों कोर्स में 16 अगस्त से प्रवेश होंगे। इसी तरह पॉलीटेक्निक व एमसीए के लिए पहले राउंड की काउंसिलिंग 12 अगस्त से शुरू करने की तैयारी की गई है। इसे लेकर तकनीकी शिक्षा संचालनालय से निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके बाद यूनिवर्सिटी स्तर पर स्टूडेंट्स द्वारा जानकारी लेने के लिए पहुंचा जा रहा है। प्रदेश के तकनीकी संस्थानों में एडमिशन के लिए तीन राउंड की काउंसिलिंग होगी।

फार्मेसी की काउंसिलिंग में हो सकती है देरी

प्रदेश के फार्मेसी कॉलेजों में संचालित बी. फार्मेसी व डी. फार्मेसी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग का शेड्यूल अब तक जारी नहीं किया गया है। इसमें भी देरी होना तय माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बी. फार्मा, डी. फार्मा, एम. फार्मा फार्मेसी कॉलेजओं की मान्यता को लेकर फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से अभी कोई सूचना जारी नहीं हुई है। काउंसिल से मान्यता मिलने के बाद स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय से इन कॉलेजों को संबद्धता मिलेगी।

पहले चरण की काउंसिलिंग को लेकर प्रक्रिया शुरू

पहले चरण की काउंसिलिंग के तहत बीटेक, एमटेक व एमबीए के लिए रजिस्ट्रेशन की प्र क्रिया 7 अगस्त से शुरू होगी और 12 अगस्त तक चलेगी। आबंटन लिस्ट 14 अगस्त को शाम 5 बजे जारी होगी। 16 अगस्त सुबह 10.30 बजे से 21 अगस्त शाम तक एडमिशन राउंड की काउंसिलिंग के लिए 22 अगस्त से 27 अगस्त शाम 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन होगा। इस चरण की आवंटन सूची 29 अगस्त को जारी होगी। 30 अगस्त से 3 सितंबर तक प्रवेश होंगे। इस राउंड के बाद संस्था स्तर पर काउंसिलिंग होगी। तकनीकी कोर्स में प्रवेश की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इसी तरह पॉलीटेक्निक और एमसीए में पहले राउंड की काउंसिलिंग के तहत 12 अगस्त से 12 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन होगा। 21 अगस्त को आवंटन लिस्ट जारी होगी। 22 से 27 अगस्त तक एडमिशन दिए जाएंगे।

सीबीएसई: हिंदी व अंग्रेजी में 6 से 10वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए रीडिंग चैलेंज इसी माह

भिलाई। वर्ष 2024-2025 एकेडमिक ईयर में सीबीएसई की ओर से रीडिंग चैलेंज का आयोजन किया जाएगा। ये चैलेंज अगस्त-सितंबर में ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों मोड में होंगे। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10वीं तक के स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। सीबीएसई की ओर से इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार स्टूडेंट्स में पढ़ने के प्रति रूचि पैदा करने के लिए इस तरह का रीडिंग चैलेंज आयोजित किया जा रहा है। इस एक्टिविटी में सीबीएसई से संबंधित स्कूल के स्टूडेंट्स भाग ले सकते हैं। ऑनलाइन होनी वाले प्रतियोगिता 24 से 27 सितंबर में की जाएगी। प्रतियोगिता के लिए सभी विद्यालय को पंजीयन कराना होगा। इसके बाद विद्यालय स्तर पर पहले चरण में ऑफलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए 10-10 स्टूडेंट्स का चयन किया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में कक्षा 6वीं से लेकर 10वीं तक के दो-दो स्टूडेंट्स शामिल होंगे। दूसरा चरण सीबीएसई के रीडिंग चैलेंज ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। ये प्रतियोगिता हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में आयोजित होगी। रीडिंग चैलेंज के लिए पहले चरण का रजिस्ट्रेशन 1 अगस्त से शुरू होकर 25 अगस्त तक जारी रहेगा।

सेहत

मानसून में गठिया का दर्द बढ़ जाए तो करें उपाय

अर्थराइटिस जिसे हम बोलचाल की भाषा में गठिया के नाम से जानते हैं। वैसे तो यह बुजुर्गों को होने वाली बीमारी है, लेकिन आजकल खराब जीवनशैली के कारण युवा नौजवान भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। यह दो तरह के होते हैं। एक होता है ओस्टियोआर्थराइटिस और दूसरा होता है रूमेटाइड अर्थराइटिस। इसमें जोड़ों में दर्द होता है। वहीं मानसून में गठिया ट्रिगर हो सकता है। इससे आपको हर वक्त जोड़ों में दर्द रह सकता है। नई दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. नीरज गोदारा बता रहे हैं, इससे बचने के उपाय।

मानसून में क्यों बढ़ता है गठिया का दर्द

एक्सपर्ट कहते हैं कि मानसून में बैरोमीटर का दबाव कम होता है,इससे जोड़ों के आसपास के टिशू का विस्तार होता है। इससे जोड़ों पर दबाव पड़ता है और दर्द बढ़ता है।

दर्द बढ़ जाए तो क्या करें?

एक्सपर्ट के मुताबिक मानसून के दिनों में गठिया के दर्द को मैनेज करने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है।अगर आप बाहर नहीं जा सकते हैं तो आप घर में ही साइकलिंग या हल्की स्ट्रेच एक्सरसाइज करें। इससे लचीलापन बढ़ता है और अकड़न को कम करने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को भी बढ़ावा देता है, जिससे दर्द और सूजन में राहत मिल सकती है।

मानसून के मौसम में स्वस्थ वजन बनाए रखें। दरअसल जब वजन बढ़ जाता है तो इससे भी जोड़ों पर दबाव पड़ता है और गठिया का दर्द बढ़ जाता है। इसके लिए आप संतुलित आहार लें, हरी सब्जियां और साबुत अनाज को दोस्त बनाएं। तले भुने चीजों से दूरी बनाएं। जितना हो सके जोड़ों को नमी से बचाएं, बारिश में जाने से परहेज करें।

हालांकि गठिया से पीड़ित हर व्यक्ति को फर्क महसूस नहीं हो सकता है, लेकिन कुछ व्यक्तियों के लिए, मानसून के मौसम में दर्द वाकई बढ़ सकता है। इस घटना में कई कारक योगदान करते हैं:

आर्द्रता, तापमान और वायुमंडलीय दबाव के स्तर में बदलाव

इन परिवर्तनों को जोड़ों के स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव के लिए जाना जाता है। मानसून के मौसम में, कम दबाव वाली प्रणालियों की उपस्थिति जोड़ों के आस-पास के ऊतकों को फैलने का कारण बन सकती है, जिसके परिणामस्वरूप दबाव और असुविधा बढ़ जाती है। इसके अलावा, बढ़ी हुई नमी जोड़ों की अकड़न और सूजन में योगदान दे सकती है।

शारीरिक गतिविधि में कमी

जब बारिश हो रही हो तो थोड़ा आलसी महसूस करना और बाहरी गतिविधियों से बचना स्वाभाविक है। हालाँकि, सीमित गतिशीलता वाले या गीली परिस्थितियों में बाहर निकलने से कतराने वाले व्यक्तियों के लिए, यह व्यवहार मांसपेशियों की कमजोरी और जोड़ों की अकड़न का कारण बन सकता है।

बरसात के मौसम में गठिया के दर्द से निपटने के उपाय

निश्चित रूप से, मानसून का मौसम गठिया के दर्द को नियंत्रित करने के लिए चुनौतियां पेश कर सकता है। हालाँकि, असुविधा को कम करने के लिए कई प्रभावी तरीके हैं। यहाँ कुछ मूल्यवान सुझाव दिए गए हैं जिन्हें ध्यान में रखना चाहिए:

अपना वर्कआउट शेड्यूल बनाए रखें

मानसून के मौसम में भी गठिया के दर्द को नियंत्रित करने के लिए नियमित व्यायाम बहुत ज़रूरी है। अपने प्रियजनों को इनडोर साइकिलिंग या हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज़ जैसी कम प्रभाव वाली गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। व्यायाम जोड़ों के आस-पास की मांसपेशियों को मज़बूत बनाने, लचीलापन बढ़ाने और अकड़न को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, यह बेहतर रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देता है, जिससे दर्द और सूजन से राहत मिलती है।

उचित वजन बनाए रखें

अधिक वजन किसी के भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, और गठिया से पीड़ित व्यक्तियों के लिए, यह जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे गठिया का दर्द बढ़ जाता है। मानसून के मौसम में, स्वस्थ वजन बनाए रखना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि कम गतिविधि स्तर वजन बढ़ा सकते हैं। अपने परिवार के सदस्यों को संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें जिसमें फल, सब्जियाँ, लीन प्रोटीन और साबुत अनाज शामिल हों, क्योंकि ये विकल्प एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देते हैं और गठिया को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों में नमी जाने से रोकें

मानसून के दौरान अत्यधिक नमी गठिया के लक्षणों को बढ़ा सकती है, इसलिए अपने जोड़ों को नमी की स्थिति से बचाना बहुत ज़रूरी है। अपने पैरों को सूखा रखने के लिए, जल प्रतिरोधी या वाटरप्रूफ जूते चुनें। अपने जोड़ों को बारिश के पानी से बचाने के लिए छाते या रेनकोट का इस्तेमाल करें। नमी वाली जगहों पर लंबे समय तक बैठने या खड़े रहने से बचें। इसके अलावा, अपनी त्वचा को रूखापन और फटने से बचाने के लिए नियमित रूप से मॉइस्चराइज़ करें। दर्द अगर बढ़ जाता है तो कोशिश करें कि रोजाना शरीर की मालिश करें, आप तिल या सरसों के तेल को गर्म कर लगाए।

आपके शरीर की प्राकृतिक वृद्धि को सुगम बनाता है जिंक, जरूर करें इस्तेमाल

शरीर के लिए जिंक भी जरूरी, इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ हैं इसके कई फायदे

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्व, शरीर को स्वस्थ रखने, अंगों को बेहतर तरीके से काम करते रहने और बीमारियों से बचाव के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। जिंक, ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिसका शरीर के कई कार्यों में विशेष योगदान माना जाता है। जिंक एक प्रकार का खनिज है जो शरीर के कई सामान्य कार्यों और प्रणालियों के लिए आवश्यक है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली, घावों का भरना, रक्त का थक्का जमाना, थायरॉइड फंक्शन और स्वाद-गंध की इंद्रियों के कार्यों को ठीक रखना शामिल है। इसके अलावा जिंक गर्भावस्था, बचपन और किशोरावस्था के दौरान सामान्य वृद्धि और विकास में भी सहायता करती है।

यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी उम्र के लोगों को आहार के माध्यम से जिंक प्राप्त करते रहने की सलाह देते हैं।

शरीर की इम्युनिटी के लिए जरूरी है जिंक

रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी होता है। कोरोना महामारी के दौरान यह हम सभी अच्छी तरीके से समझ चुके हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए जिंक भी बहुत आवश्यक है।

जिंक पूरे शरीर की कोशिकाओं में पाई जाती है। यह आपके प्रतिरक्षा तंत्र को हमलावर बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करती है। आपका शरीर डीएनए (कोशिकाओं में आनुवंशिक सामग्री) और प्रोटीन बनाने के लिए भी जिंक का उपयोग करता है। आइए जानते हैं कि आहार के माध्यम से इस पोषक तत्व को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

रोजाना खाएं नट्स

नट्स, जिंक और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करते हैं। मूंगफली, काजू और बादाम जिंक के अच्छे स्रोत हैं। ये नट्स स्वस्थ वसा, विटामिन और फाइबर भी प्रदान करते हैं, जो शरीर को सेहतमंद रखने के लिए आवश्यक है। काजू में जिंक की मात्रा सबसे अधिक होती है, इसलिए आप आहार में इन नट्स को शामिल कर सकते हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं, रोजाना मुट्ठीभर नट्स का सेवन हृदय रोगों से बचाने में फायदेमंद है।

कद्दू के बीजों में जिंक

कद्दू के बीज को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए जाना जाता है, ये जिंक के लिए भी फायदेमंद है। 100 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 7.5 मिलीग्राम जिंक होता है, जो अनुशंसित दैनिक सेवन का लगभग आधा है। आहार में जिंक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट भी है जो मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया में भी मदद करती है।

अंडे खाने से लाभ

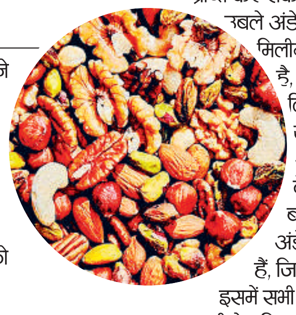

अंडों को प्रोटीन के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक माना जाता है, इसके सेवन से आप जिंक भी प्राप्त कर सकते हैं। एक बड़े उबले अंडे में 0.53 मिलीग्राम जिंक होती है, जो पुरुषों के लिए दैनिक जरूरतों के 4.8% और महिलाओं के लिए 6.6% के बराबर है।

अंडे, संपूर्ण प्रोटीन हैं, जिसका अर्थ है कि इसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। आहार में अंडों को शामिल करना पूरे शरीर के लिए लाभकारी प्रभावों वाला माना जाता है।

हथेली में हो ऐसी रेखा तो मिलता है अमीर जीवनसाथी, ठाठ से गुजरती है जिंदगी

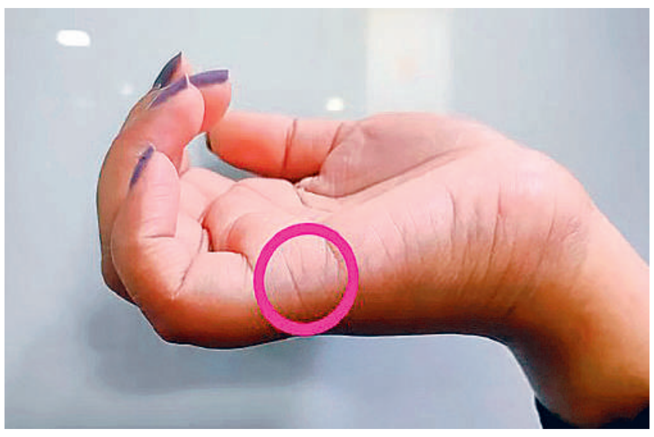

हथेली की विवाह रेखा और कुछ अन्य निशान को देखकर जाना जा सकता है कि आपको कैसा जीवनसाथी मिलेगा। साथ ही सदी के बाद कितनी तरक्की मिलेगी।

कहां होती है विवाह रेखा?

हाथ की सबसे छोटी अंगुली के नीचे कुछ बेहद बारीक और आड़ी-टेढ़ी रेखाएं होती हैं। ये रेखाएं हथेली के बाहर से अंदर की तरफ आती हैं। ये रेखाएं हृदय रेखा के ठीक ऊपर होती है। इन्हीं को विवाह की रेखा कहा जाता है। विवाह रेखा एक या एक से अधिक भी हो सकती है।

ऐसी विवाह रेखा होती है शुभ

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली में विवाह रेखा स्पष्ट दिखाई देती है, उन्हें एक अमीर जीवनसाथी मिलता है। वहीं यदि चंद्र पर्वत से निकलकर कोई रेखा विवाह रेखा के साथ मिले तो ऐसे लोगों को बहुत प्यार करने वाला जीवनसाथी मिलता है। ऐसे लोगों का दांपत्य जीवन हमेशा खुशहाल रहता है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा हल्की और पतली हो वे अपने जीवनसाथी के प्रति ज्यादा गंभीर नहीं रहते हैं। ऐसे लोगों के एक से ज्यादा प्रेम संबंध होते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार शादी के बाद भी इनके अफेयर होने की आशंका रहती है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा का रंग लालिमा लिए हुए ऐसे तो ऐसे लोगों के वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। इनका वैवाहिक जीवन हमेशा प्रेम-उत्साह बना रहता है। वहीं विवाह रेखा का पीला या सफेद होना दांपत्य के प्रति उदासीनता दिखाता है।

स्नैक्स बनाने के बाद बचे ब्रेड के किनारों का इस तरह करें दोबारा इस्तेमाल

ब्रेड का कोई भी हिस्सा फेंकने के लिए नहीं होता है। इससे कई सारी डिशेज बनाई जा सकती हैं। आइए हम आपको आज इसी बारे में बताते हैं।

क्रिस्पी नमकीन बना सकते हैं आप

ब्रेड के बचे हुए किनारे को सबसे पहले गर्म तवे पर रख कर रोस्ट कर लें। इसके स्वाद को बढ़ाने के लिए हल्का सा बटर भी डाल सकते हैं। इसके बाद इसपर चाट मसाले, लाल मिर्च पाउडर और हल्का सा जीरा व काली मिर्च पाउडर को छिड़क दें। तवे पर ही इसे 5 मिनट तक मिलाएं। यह बिल्कुल क्रंची और क्रिस्पी हो जाएगा। फिर इसे आप गरम-गरम प्लेट में निकाल कर केचअप के साथ खा सकते हैं।

दाल के साथ रोस्टेड ब्रेड

सबसे पहले आप गाढ़ी दाल बनाएं और उसे टमाटर-प्याज आदि से तड़का लगा दें। इसके बाद ही ब्रेड के किनारों को रोस्ट करें। इसके लिए आप सबसे पहले तवे पर ब्रेड के किनारों को डालकर इसे थोड़े देर तक गर्म करें। इसे अच्छी तरह से क्रिस्पी होन तक तवे पर रखें। इसके बाद, दाल की कटोरी में इस क्रंची ब्रेड के तुकड़ों को डालें और रोस्टेड ब्रेड के साथ डिलीशियस दाल का आनंद लें। आप चाहें तो मसालों के साथ मिलाकर ब्रेड सूप भी बना सकते हैं।

कॉर्नर से बनाएं देसी स्टाइल ब्रेड मिठाई

अगर ब्रेड स्लाइस का इस्तेमाल करने के बाद इसके किनारे बच गए हैं, तो आप इसकी मदद से एक मिठाई भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको दूध, मलाई, मेवे और बटर या घी की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले आप ब्रेड के किनारों को तवे पर घी या बटर में हल्का गर्म करले। इसके बाद दूध में स्वादानुसार चीनी और इलायची मिलाकर 30 मिनट तक कम आंच पर उबालकर उसे गाढ़ा करें। फिर ब्रेड के टूकड़ों को एक प्लेट में निकाल कर फैला लें। अब इसके ऊपर से दूध को डालें और फिर इसपर मेवे को भी छिड़क दें। बस ब्रेड के बचे हुए हिस्से से मिठाई बनकर तैयार है।

लव राशिफल से जानिए कैसे गुजरेगा आपका प्रेम जीवन

व्यक्ति के जीवन में प्रेम संबंध और वैवाहिक संबंध का विशेष महत्व होता है। चंद्र राशि की गणना के आधार पर रोज होने वाली वार्ता के संबंध में भविष्यवाणी की जाती है। यहां दिया गया दैनिक लव राशिफल चंद्र राशि पर आधारित है। जानें इस साल 2024 में बचे चार माह प्रेम जीवन के लिहाज से कैसे गुजरेंगे।

मेष लव राशिफल

प्रेम संबंधों को लेकर आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं जिससे आपके भीतर का आत्मविश्वास भी डगमगा सकता है। आप अपनी कमियों पर काबू करने का प्रयास करें इससे आपके भीतर अविश्वास की भावना जाग्रत नहीं होगी।

वृष लव राशिफल

आज आप रोमांटिक मूड में रह सकते हैं और प्रेमी को भी इसका अहसास दिला सकते हैं लेकिन शायद आज प्रेमी का मिजाज अच्छा ना रहें। उनका मूड ठीक करना आपकी जिम्मेदारी बनती है इसीलिए कोई उपहार देकर या उनका मन बहलाकर उन्हें खुश करने की कोशिश कीजिए, यह आप दोनों को और करीब लाएगा।

मिथुन लव राशिफल

आज प्रेमी के व्यवहार में आपको उतार चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। आपको लगेगा कि वह बहुत ही ज्यादा भावुक व आवेशी हो रहा है लेकिन दूसरे ही पल आपको महसूस होगा कि वह वह अचानक चुप सा कहीं खो गया है। उसकी योजना या भाव आपके सामने आज अस्पष्ट रह सकते हैं।

कर्क लव राशिफल

आपका दिन आज बहुत बढ़िया नहीं कहा जा सकता है और आज आप किसी बात को लेकर अपने प्रेमी के सामने झूठ का सहारा भी ले सकते हैं। यदि आप चाहते हैं कि दिन अच्छा बना रहे तब आप दोनों को कहीं बाहर घूमने जाना चाहिए।

कार्नर न्यूज

वास्तु शास्त्र में बताया गया मंत्रों का प्रयोग जरूर करें इस्तेमाल

दिशाओं के वास्तुदोष को दूर करते हैं मंत्र नकारात्मक ऊर्जा भी नहीं आएगी पास

अक्सर देखा गया है कि कई लोग बहुत मेहनत करते हैं, इसके बाबजूद भी उन्हें ज्यादा सफलता प्राप्त नहीं होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं,जिनमें घर में वास्तुदोष भी प्रमुख कारण हो सकता है। वास्तु दोष उत्पन्न होने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है, जिसके कारण हमारे साथ दुःख और अशुभ घटनाएं घटित होने लगती हैं। इन सभी परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए वास्तु शास्त्र में मंत्रों का प्रयोग बताया गया है।

ईशान दिशाः इस दिशा के स्वामी बृहस्पति हैं और देवता हैं भगवान शिव। इस दिशा के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए नियमित गुरू मंत्र 'ओम बृं बृहस्पतये नमः' मंत्र का जप करें। शिव पंचाक्षरी मंत्र ओम नमः शिवाय का 108 बार जप करना भी लाभप्रद होता है।

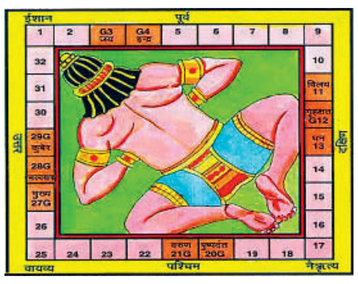

पूर्व दिशाः पूर्व दिशा के स्वामी सूर्य और देवता इंद्र हैं। यदि भवन की पूर्व दिशा में वास्तु दोष है। तो इसे दूर करने के लिए प्रतिदिन सूर्य मंत्र 'ओम ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः' का जप करें। इस मंत्र के जप से सूर्य के शुभ प्रभावों में वृद्धि होती है। व्यक्ति मान-सम्मान और यश प्राप्त करता है। प्रतिदिन 108 बार इंद्र मंत्र 'ओम इन्द्राय नमः' का जप करना भी इस दिशा के दोष को दूर कर देता है।

आग्नेय दिशाः इस दिशा के स्वामी ग्रह शुक्र और देवता अग्नि हैं। इस दिशा में वास्तु दोष होने पर शुक्र अथवा अग्नि के मंत्र का जप लाभप्रद होता है। शुक्र का मंत्र है 'ओम शुं शुक्राय नमः'। अग्नि का मंत्र है 'ओम अग्नेय नमः'। इस दिशा को दोष से मुक्त रखने के लिए इस दिशा में पानी का टैंक, नल, शौचालय अथवा अध्ययन कक्ष नहीं होना चाहिए।

दक्षिण दिशाः इस दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और देवता यम हैं। दक्षिण दिशा से वास्तु दोष दूर करने के लिए नियमित 'ओम अं अंगारकाय नमः' मंत्र का 108 बार जप करना चाहिए। यह मंत्र मंगल के कुप्रभाव को भी दूर कर देता है। 'ओम यमाय नमः' मंत्र से भी इस दिशा का दोष समाप्त हो जाता है।

दक्षिण दिशाः इस दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और देवता यम हैं। दक्षिण दिशा से वास्तु दोष दूर करने के लिए नियमित 'ओम अं अंगारकाय नमः' मंत्र का 108 बार जप करना चाहिए। यह मंत्र मंगल के कुप्रभाव को भी दूर कर देता है। 'ओम यमाय नमः' मंत्र से भी इस दिशा का दोष समाप्त हो जाता है।

नैऋत्य दिशाः इस दिशा के स्वामी राहु ग्रह हैं। घर में यह दिशा दोषपूर्ण हो तो व्यक्ति के लिए काफी कष्टकारी हो जाती है। इस दोष को दूर करने के लिए राहु मंत्र 'ओम रां राहवे नमः' मंत्र का जप करें। इससे वास्तु दोष एवं राहु दोनों की शांति होती है।

पश्चिम दिशाः यह शनि की दिशा है एवं इस दिशा के देवता वरूण देव हैं। इस दिशा में किचन कभी भी नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में वास्तु दोष होने पर शनि मंत्र 'ओम शं शनैश्चराय नमः' का नियमित जप करें। यह मंत्र शनि के कुप्रभाव को भी दूर कर देता है।

वायव्य दिशाः इस दिशा के स्वामी चंद्र ग्रह हैं। यह दिशा दोषपूर्ण होने पर मन चंचल रहता है। घर में रहने वाले लोग सर्दी जुकाम एवं छाती से संबंधित रोग से परेशान होते हैं। इस दिशा के दोष को दूर करने के लिए चन्द्र मंत्र 'ओम चन्द्रमसे नमः' का जप लाभकारी होता है।

उत्तर दिशाः इस दिशा के देवता धन के स्वामी कुबेर हैं। यह दिशा बुध ग्रह के प्रभाव में आता है। इस दिशा के दूषित होने पर माता एवं घर में रहने वाले स्त्रियों को कष्ट होता है। आर्थिक कठिनाईयों का भी सामना करना पड़ सकता है। इस दिशा के वास्तु दोष को ठीक करने के लिए 'ओम बुधाय नमः या 'ओम कुबेराय नमः' मंत्र का जप करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

25 साल बाद क्वान से मिले जैकमैन एक्स-मैन में साथ किया था काम

ह्यू जैकमैन इन दिनों अपनी फिल्म डेडपूल एंडव वूल्वरिन को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता को दुनियाभर में इस फिल्म के लिए प्रशंसा मिल रही है। हाल ही में अभिनेता ने लॉस एंजिल्स में वॉक ऑफ फेम समारोह में शिरकत की। इस दौरान उनकी मुलाकात 25 साल बाद अचानक अभिनेता के हुय क्वान से हो गई। ह्यू जैकमैन ने इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। फोटो में दोनों सितारे एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ जैकमैन ने कैप्शन में लिखा, ₹25 साल बाद...₹। दोनों ने साथ में उस समय का जश्न मनाया जब दोनों ने एक साथ एक्स-मैन में काम किया था। फिल्म में ह्यू जैकमैन पहली बार वूल्वरिन बने थे। वहीं, क्वान ने स्टंट टीम के हिस्से के रूप में लड़ाई के दृश्यों को कोरियोग्राफ करके योगदान दिया था। पोस्ट की गई तस्वीर के वॉयस ओवर में ह्यू जैकमैन ने कहा, ₹मैंने के हुय क्वान को देखा। उन्होंने हाल ही में ऑस्कर जीता है। उनकी कहानी अविश्वसनीय है, और उनका करियर अविश्वसनीय है। हमने एक-दूसरे को देखा,और हम गले मिले, क्योंकि हमने एक्स-मेन में एक साथ काम किया था।₹ जैकमैन ने कहा कि क्वान एक्स-मेन में स्टंट टीम में थे और उनका काम अविश्वसनीय था। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट में अभिनय करके एक्शन फिल्में बनाने और स्टंट करने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा, ₹उन्हें फिर से देखना और फिर से मुलाकात करना वाकई बहुत अच्छा था।

टॉलीवुड

'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' का गाना 'स्पार्क' रिलीज, थिरकने पर मजबूर कर देंगे बीट्स

दलपति विजय की 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के सिनेमाघरों में रिलीज होने में 35 दिन से भी कम समय बचा है। आगामी साइंस-फाई एक्शन फिल्म के निर्माता कई नए अपडेट के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। हालांकि टीम ने अभी तक शूटिंग पूरी नहीं की है, लेकिन फिल्म के लिए संगीतमय प्रचार शुरू हो गया है। इसी कड़ी में विजय के प्रशंसकों को एक और बड़ा तोहफा मिला है। फिल्म का तीसरा गाना रिलीज हो गया है। 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के तीसरे गाने का शीर्षक 'स्पार्क' है। इसमें दलपति विजय और मीनाक्षी चौधरी की शानदार केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। युवान शंकर राजा द्वारा रचित इस गाने में युवान और वृषा बालू ने अपनी आवाज दी है। इस जोशीले ट्रैक को दर्शक और प्रशंसक काफी सराह रहे हैं। वहीं, जिस चीज ने सभी का ध्यान खींचा है वह है दलपति विजय का डी-एज्ड लुक। वीडियो में अभिनेता फिल्म के अन्य दृश्यों की तुलना में काफी युवा दिख रहे हैं। 'स्पार्क' गाने के रिलीज होते ही इस बात की पुष्टि हो गई है कि मीनाक्षी फिल्म में विजय के किरदार के युवा संस्करण के साथ रोमांस फरमाएंगी। बहरहाल, अंतिम आउटपुट बड़े पर्दे पर तब सामने आएगा जब फिल्म 5 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' विजय और निर्देशक के बीच पहला सहयोग है। कथित तौर पर फिल्म में विजय को पिता और पुत्र की दोहरी भूमिकाओं में दिखाने के लिए डिजिटल डी-एजिंग तकनीक का उपयोग किया गया है। यह भी बताया गया है कि टीम ने डी-एजिंग प्रक्रिया पर छह करोड़ रुपये खर्च किए हैं। 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में दलपति विजय के अलावा कई अन्य शानदार कलाकार हैं। इनमें मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, जयराम, लैला, स्नेहा, मीनाक्षी चौधरी, योगी बाबू, वीटीवी गणेश, वैभव, प्रेमगी अमरन, अरविंद आकाश और अजमल अमीर जैसे सितारों का नाम शामिल है। मूल स्कोर और गाने युवान शंकर राजा द्वारा रचित हैं। सिद्धार्थ नुनी फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं।

छॉलीवुड

'मोहब्बत जिंदाबाद' के गीत तैयार, जल्द होगी रिकॉर्डिंग फिर शूटिंग

'मितवा' फिल्म के बैनर तले छत्तीसगढ़ी फीचर फिल्म 'मोहब्बत जिंदाबाद' का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म में जाने-माने लोककलाकार नवलदास मानिकपुरी दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत उन्होंने तैयार किया है। वहीं इस फिल्म के गीतों को उन्होंने और अशोक तिवारी ने लिखा है। नवलदास मानिकपुरी ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म का संगीत लोक परंपरा से लिया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य को उभारा गया है। मानिकपुरी ने बताया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने और अशोक तिवारी ने तीन-तीन गीत लिखे है। जल्द ही इन गीतों की रिकॉर्डिंग स्वप्निल स्टूडियो में की जाएगी जिसकी तैयारियां लगभग पूरी की जा चुकी है। इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं याकूब खान। फिल्म की शूटिंग सितंबर माह में प्रारंभ कर दी जाएगी। निर्माता श्रीराम साहू ने बताया कि फिल्म में छह गाने होंगे और सभी अलग-अलग मूड के हैं। उन्होंने बताया की फिल्म के लिए कलाकारों का चयन अभी भी जारी है। इस फिल्म का तकनीकी पक्ष दिनेश ठक्कर संभाल रहे हैं। इस फिल्म में सभी मूड के गीतों को शामिल किया जा रहा है जो हर वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगा।

लाइफ स्टाइल

जंगल की खूबसूरती

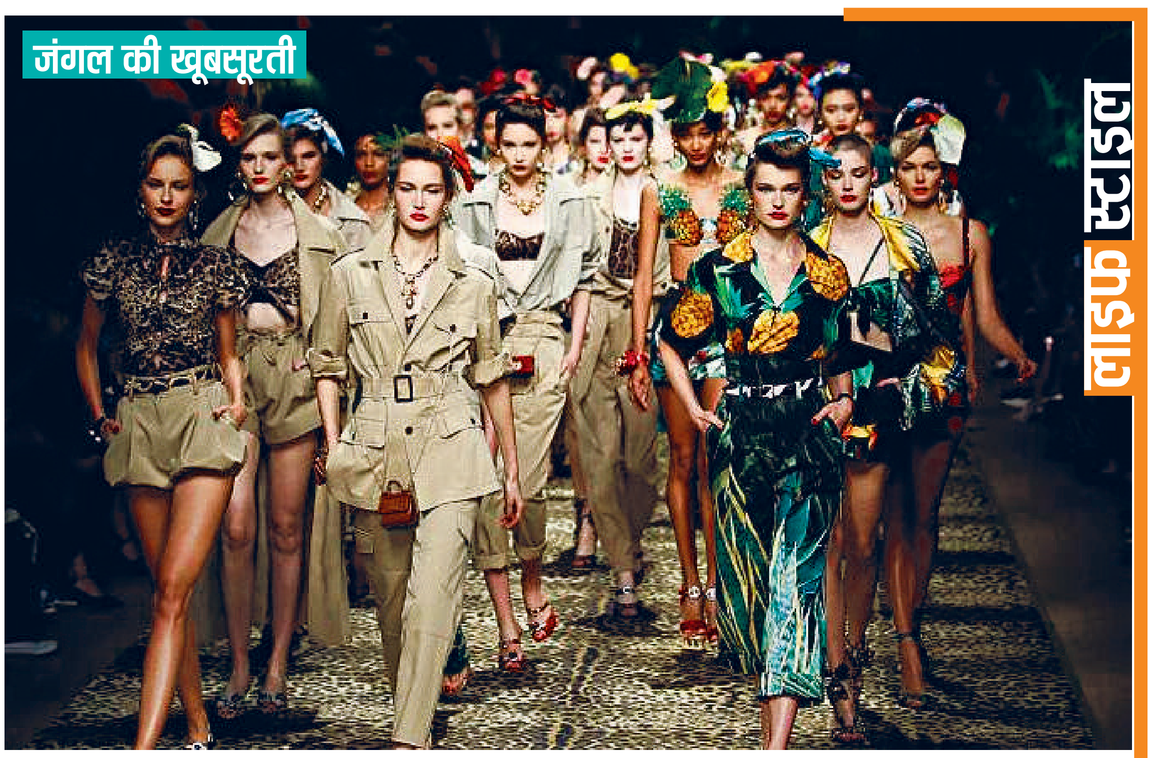

हरियाली के माहौल को ध्यान में रखते हुए इतालवी फैशन हाउस डोल्से एंड गब्बाना ने मिलान में रविवार को अपने कैटवॉक शो में फैशनपरस्तों को जंगल की सैर कराई। जिसमें रंगीन उष्णकटिबंधीय जीवों और वनस्पतियों से प्रेरित एक स्प्रिंग वॉर्डरोब पेश किया गया। डिज़ाइनर डोमेनिको डोल्से और स्टेफ़ानो गब्बाना ने अपनी वूमन्सवियर लाइन की शुरुआत सफारी लुक के साथ की। बेज और खाकी बेल्ट वाली शर्ट, कार्गो ट्राउज़र, ड्रेस और शॉर्ट्स खूब जमे।

त्योहारों पर दिखना है सबसे खूबसूरत तो पहनें इस तरह के बेहतरीन लहंगे

फैशन

तीज-त्योहार पर हर महिला अपने श्रृंगार का विशेष ध्यान रखती हैं। ऐसे खास मौके पर अगर आप लहंगा पहनने का सोच रही हैं तो कुछ लेटेस्ट लुक आजमा सकती हैं। लहंगा लेने से पहले ये जरूर तय कर लें कि आप उसे किस तरह के कैरी करना चाहती हैं। अगर आप इस तरह से लहंगे को पहनना चाहती हैं तो इसका दुपट्टा काफी लंबा होना चाहिए।

सिल्क लहंगा: आजकल इस तरह के सिल्क के लहंगे काफी चलन में हैं। ये आपको ऑनलाइन के साथ-साथ आसानी से बाजार तक में भी मिल जाते हैं। तीज के दिन ऐसा लहंगा पहनकर आप जलवा दिखा सकती हैं।

नेट वाला लहंगा: स्लीवलेस ब्लाउज के साथ इस तरह का नेट वाला लहंगा देखने में काफी प्यारा लगता है। इस तरह के लहंगे के साथ ब्लाउज हमेशा अलग रंग का लेना चाहिए। ये आपके लुक को और खूबसूरत बनाता है।

हैवी वर्क सिल्क लहंगा: अगर आपको सिल्क के फैब्रिक का लहंगा पसंद है लेकिन आप तीज पर कुछ हैवी पहनना चाह रही हैं तो इस तरह का लहंगा आपके लिए परफेक्ट है। इसे पहनकर आपका लुक काफी ग्लैमरस दिखेगा।

ए लाइन लहंगा: ए लाइन लहंगा ज्यादा हैवी नहीं होता है। ये ज्यादा महंगा भी नहीं आता। आप हरतालिका व्रत की पूजा के लिए इस तरह का लहंगा खरीद सकती हैं। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

शादी का लहंगा: अगर आपको इनमें से कोई लहंगा पसंद नहीं आ रहा है तो आप अपनी शादी का लहंगा ही हरतालिका तीज की पूजा में पहन सकती हैं। ये आपकी शादी की यादों को ताजा कर देगा।

खो रही है हाथ-पैर की नमी तो घबराएं नहीं, करें इनका इस्तेमाल

रोजमर्रा की जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं, जिनके इस्तेमाल से हाथ-पैर काफी रूखे होने लगते हैं। इन चीजों कठोर साबुन, केमिकल प्रोडक्ट और अगरबत्ती शामिल होती हैं। इनके साथ ही मौसम का सीधा असर भी हाथ-पैर पर पड़ता है। आप बदलते मौसम में ड्राई स्किन से परेशान हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा संबंधी परेशानियों को कम करते हैं। ये आमतौर पर सभी घरों में आसानी में मिल जाता है। ये आपकी स्किन को हाइड्रेटेड रखता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कुछ बूंद तेल लेकर हाथ-पैर पर मालिश करनी है।

एलोवेरा

एलोवेरा स्किन पर नमी बरकरार रखने में मदद करता है। ऐसे में आप बड़ी आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस एलोवेरा जेल लेकर हाथ-पैर पर लगाना है।

शहद

अगर आप शहद का इस्तेमाल करने का सोच रही हैं, तो ये एक बेहतर विकल्प है। इसमें कई एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस आपको 10 से 15 मिनट तक शहद अपने हाथ-पैर पर लगाना है और फिर हाथ धो लेने हैं।

ओटमील पाउडर

इसके इस्तेमाल के लिए ओटमील पाउडर में पानी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। हाथ-पैर में नमी बरकरार रखने के लिए आपको हर रोज इसका इस्तेमाल करना है।

नहीं पहननी चूड़ियां, तो ट्राई करें चूड़ा डिजाइन

अपने श्रृंगार के दौरान अगर आपको चूड़ियां नहीं पहनना चाहती तो चूड़े के अलग-अलग ऑप्शन ट्राई कर सकती हैं। इससे आपके हाथ खूबसूरत लगेंगे। रेड मिनाकारी चूड़ा डिजाइन में पूरे चूड़े में हैवी वर्क किया जाता है। आसपास के कंगन में पर्ल लगाए जाते हैं, और चौड़े कंगन पर हैंड वर्क होता है। इस तरीके के चूड़े को आप साड़ी, सूट या फिर लहंगे के साथ वियर कर सकती हैं।

मार्केट में आपको इस चूड़ें में मल्टीकलर और सिंगल कलर मिल जाएगा। कुंदन वर्क ज्वेलरी डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। इस डिजाइन वाले चूड़े को भी आप वियर कर सकती हैं। इसमें आपको पतले कंगन में थोड़ा कुंदन वर्क (हाथों के लिए खूबसूरत बैंग्लस डिजाइन) मिलेगा। लेकिन चौड़े कंगन पर आपको ज्यादा कुंदन वर्क देखने को मिलेगा। इसमें आप चाहे तो लटकन वाले चूड़े को खरीद सकती हैं। वरना बिना लटकन वाले चूड़े के डिजाइन भी आपको मिल जाएंगे।

ज्यादातर महिलाएं केवल लाल या मरून रंग का ही चूड़ा पहनती हैं। लेकिन अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो लंहगे से मैचिंग चूड़ा पहनें। पिंक कलर का चूड़ा देखने में बेहद सुंदर और अट्रैक्टिव लगता है। इसके साथ कुंदन के कड़े खूब जंचते हैं। आप भी कुछ इसी तरह का चूड़ा डिजाइन सेलेक्ट कर सकती हैं। मार्केट में आपको कई रंग के चूड़े मिल जाएंगे। आप चूड़ा के साथ भी क्रिएटिविटी कर सकती हैं। आजकल कस्टमाइज्ड चूड़ा डिजाइन काफी पॉपुलर हैं। इसमें आप चूड़े पर कुछ भी लिखवा सकती हैं। चाहे वह पति का नाम हो या फिर सौभाग्यवती भव जैसे मंत्र हों। यकीन मानिए यह चूड़ा देखकर हर कोई आपकी तारीफ जरूर करेगा। लेकिन इस तरह के चूड़े के लिए आपको दुकानदार से कहना पड़ेगा।

चेहरे पर निखार लाने लगाएं मुल्तानी मिट्टी के फेसपैक

अगर आपके भी स्किन ऑयली और चिपचिपी है, और उसे आप परेशान हो चुके हैं, तो छुटकारा पाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी के फेसपैक बना कर आसानी से तैयार कर सकते हैं, मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन को नेचुरल ग्लो देगा साथ में पिंपल जैसे समस्या को खत्म करेगी।

मुल्तानी मिट्टी और आलू का रस

मुल्तानी मिट्टी और आलू का रस का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर ले, और उसमें आलू का रस निकालकर मुल्तानी मिट्टी मिले आलू को पहले आप कद्दूकस कर ले, और उसका रस अलग कर ले, और इस फेस पैक को अब अपने चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा कर रखें, और जब यह फेस पैक सूखने लगे तो ठंडा पानी से अपने चेहरे को धो ले, यह आपकी स्किन को ग्लो बढ़ा देगी, और यह फेस पैक चेहरे पर अप्लाई करने से चेहरे पर जो भी ऑयल होता है, उसे सुख लेता है, और स्किन में एक नेचुरल ग्लो देने का काम करता है।

मुल्तानी मिट्टी और दही

डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी और दही का फेस पैक लगा सकते हैं, और इस फेस पैक को तैयार करने के लिए दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर एक कटोरी में डालें और एक बड़ा चम्मच फ्रेश दही को मिले ले और दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर ले, और मिक्स करने के बाद अपने चेहरे और जहां भी ट्रेनिंग की समस्या है, वहां पर आप लगा सकते हैं, और इसे लगाने के बाद 15 मिनट के लिए ऐसे छोड़ दे, जब यह फेस पैक सुख जाए तो हल्का गर्म पानी से अपने चेहरे को धो ले, और अगर आप इस फेस पैक को हफ्ते में दो से तीन बार लगते हैं, तो पिंपल और ब्लैक

कार्नर न्यूज

नई मेकअप स्टाइल को दुनिया भर में अपना रहे मॉडल

बार्बी डॉल सा पिंक-पिंक मेकअप आया चलन में, बदल रहा है लुक

इन दिनों बार्बी मेकअप लुक काफी ट्रेंड में है। इसका पिंक-पिंक मेकअप आपको बार्बी डॉल बना देगा और आपका जलवा हर जगह बिखरने लगेगा। आपको मेकअप में पिंक कलर या मेकअप इंडस्ट्री का अपडेट अपनाना पसंद है तो बार्बी मेकअप आपके लिए है। इन दिनों यह काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें पिंक कलर का उपयोग कर बार्बी डॉल का लुक क्रिएट किया जाता है। इसमें गुलाबी आंखों के लिए हॉट पिंक आई शैडो, गुलाबी गाल के लिए पिंक ब्लश, नाखूनों के लिए गुलाबी नेल पेंट और गुलाबी होंठ के लिए पिंक लिप शेड का इस्तेमाल किया जाता है। बार्बी मेकअप के इतने ही स्टाइल नहीं हैं, इसकी सूची लंबी है। इसमें शामिल हैं, लिलैक बार्बी, लवर बार्बी, मालिबू बार्बी, पंक रॉक बार्बी, ग्लिटजी बार्बी, ड्रीमी बार्बी, ब्लशिंग बार्बी और स्बटल बार्बी। ऐसे में बार्बी मेकअप के लेटेस्ट ट्रेंड्स के बारे में जानना जरूरी है।

मरमेड_ यह आपको क्लासी बार्बी लुक देगा। इस लुक में पिंक और पर्पल शेड का ही उपयोग होता है। सौंदर्य विशेषज्ञों के अनुसार, मरमेड बार्बी लुक के लिए मेकअप में पिंक और पर्पल शेड का ज्यादा उपयोग होता है। आंखों के लिए पिंक या पर्पल शेड का आईशैडो और फ्रॉस्टेड पिंक लिप कलर का उपयोग होता है, बाकी मेकअप बेस अन्य मेकअप स्टाइल जैसा होता है।

बोल्ड: यह मेकअप लुक आप खुद भी क्रिएट कर सकती हैं। इस लुक में पिंक कॉस्मेटिक शेड ही प्राथमिकता में रहता है। आप युवा हैं, अधेड़ या बड़ी उम्र की महिला, बोल्ड बार्बी लुक आप पर जंचेगा। बस जरूरत है, इस मेकअप को आत्मविश्वास से कैरी करने की।

नियॉन: नियॉन बार्बी मेकअप करना काफी आसान है। इसे आप खुद भी कर सकती हैं। बस, जरूरत है अभ्यास की। नियॉन बार्बी मेकअप करने का हर तरीका आपको सर्च इंजन में मिल जाएगा। इसे करने का मन है तो कर डालिए। यह आप पर फबेगा, बस इसे कैरी करते हुए आत्मविश्वास बनाए रखना बहुत जरूरी है।

इथेरल: इथरेल बार्बी मेकअप सिर्फ आंखों या होंठों पर नहीं, चीक बोन और जॉ लाइन पर भी किया जाता है। इसके लिए मेकअप का बेस लगा लें। आई मेकअप कर लें। आंखों में पिंक आई शैडो लगाएं। जॉ लाइन और चीक बोन को चीक पॉपर ब्लशिंग हाइलाइटर से एनहैंस्ड करें।

स्लट्री: सुना है कभी स्मोकी पिंक आइज के बारे में? स्लट्री बार्बी मेकअप में स्मोकी पिंक आई मेकअप किया जाता है और बाकी हर मेकअप में पिंक शेड की प्राथमिकता रहती है। इस मेकअप में ब्लशर बफी पिंक और हाइलाइटर शिमरी पिंक होना चाहिए, तभी ग्लो दिखेगा।

कभी-कभी करें: सुप्रसिद्ध सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन कहती हैं, अलग हटकर दिखना है, तो पिंक मेकअप करें। यह है बार्बी मेकअप। यह मेकअप हर आउटफिट पर जंचता है। चाहे आप पारंपरिक या वेस्टर्न या इंडो वेस्टर्न पहनें। बस, ध्यान रहे कि पिंक शेड का ओवर प्रयोग न हो और मेकअप के हर स्ट्रोक में सफाई होनी चाहिए। बार्बी मेकअप में कई स्टाइल होते हैं। आप अपनी पसंद से कोई भी मेकअप करें, लेकिन रोजाना नहीं, कभी-कभार ही करें। आखिर कभी-कभी वाली चीज ही आपको हट कर दिखाती है।